सांध्य दैनिक
नई दृष्टिबिंदु
सच की शक्ति, जनता की दृष्टि
PRGI Reg No - CTHIN/25/A3746

सु-विचार

"मुश्किलों का आना "पार्ट ऑफ लाईफ" है और उनमें से हंसकर बाहर आना "आर्ट ऑफ लाईफ" है...!!"
अज्ञात...

वर्ष–01 अंक–167 | संपादक आलोक तिवारी | दुर्ग, सोमवार 06 जुलाई 2026 | पृष्ठ 08 | मूल्य –2 रुपए

डॉ. तीजन बाई के सम्मान में गनियारी के शासकीय हाई–हायर सेकेंडरी स्कूल का होगा नामकरण–मंत्री यादव

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव ने विश्वविख्यात

शिक्षा मंत्री ने दी पद्मविभूषण डॉ. तीजन बाई को भावभीनी श्रद्धांजलि, उनकी अंतिम संस्कार में रहे शामिल

पंडवानी गायिका और पद्मविभूषण से सम्मानित डॉ. तीजन बाई को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। वे आज डॉ. तीजन बाई के गृहग्राम गनियारी स्थित निवास पहुंचे और उनके पार्थिव शरीर पर पुष्प अर्पित किए। इसके बाद अंतिम यात्रा में शामिल होकर दाह संस्कार तक उपस्थित रहे।

इस अवसर पर शिक्षा मंत्री ने बड़ी घोषणा करते हुए कहा कि डॉ. तीजन बाई के गृहग्राम गनियारी स्थित शासकीय हाई-हायर सेकेंडरी स्कूल का नामकरण अब "डॉ. तीजन बाई शासकीय हाई-हायर सेकेंडरी विद्यालय, गनियारी" के नाम से किया जाएगा।

मंत्री श्री यादव ने कहा कि डॉ. तीजन बाई ने अपनी अद्वितीय कला-साधना और ओजस्वी वाणी से छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोकसंस्कृति को राष्ट्रीय ही नहीं, अंतर्राष्ट्रीय पहचान दिलाई। उनका निधन छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक चेतना के एक स्वर्णिम अध्याय का अवसान है। उन्होंने ईश्वर से दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान और शोकाकुल परिजनों को संबल देने की प्रार्थना की।

उन्होंने कहा कि डॉ. तीजन बाई का पूरा जीवन लोकपरंपराओं और कला के संरक्षण को समर्पित रहा। उनकी साधना, संघर्ष और उपलब्धियां आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत बनी रहेंगी। राज्य सरकार का यह निर्णय महान लोककलाकार के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है, जिससे भावी पीढ़ियां उनके व्यक्तित्व और सांस्कृतिक योगदान से प्रेरणा ले सकेंगी।

रायपुर–दुर्ग नेशनल हाईवे पर जलभराव से यातायात हुआ प्रभावित

चंदनडीह में स्लो मूवमेंट, सिरसा गेट मार्ग भी बंद, दुर्ग पुलिस ने जारी किए वैकल्पिक मार्ग

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई-दुर्ग

लगातार बारिश के कारण रायपुर–दुर्ग नेशनल हाईवे पर कुम्हारी ओवरब्रिज के पास चंदनडीह क्षेत्र में जलभराव हो गया है। इससे यातायात प्रभावित हुआ है और वाहनों की आवाजाही धीमी गति से हो रही है। वहीं निर्माण कार्य के चलते सिरसा गेट मार्ग भी पूरी तरह बंद है।

यातायात का दबाव कम करने के लिए दुर्ग पुलिस ने विभिन्न श्रेणी के वाहनों के लिए वैकल्पिक मार्ग निर्धारित किए हैं। प्रभावित क्षेत्र में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात कर निगरानी की जा रही है और आवश्यकतानुसार डायवर्सन लागू किया गया है।

इन मार्गों का करें उपयोग

1. राजनांदगांव से रायपुर जाने वाले भारी वाहनः अंजोरा बाईपास, पुलगांव चौक, अंडा, रिसामा, गाड़ाडीह, मर्रा, जामगांव (एम), मोतीपुर, अमलेश्वर, रायपुर।
2. बालोद से रायपुर जाने वाले भारी वाहनः अंडा, रिसामा, गाड़ाडीह, मर्रा, जामगांव (एम), मोतीपुर, अमलेश्वर, रायपुर।
3. ट्रांसपोर्ट नगर/भिलाई या नेशनल हाईवे से रायपुर जाने वाले वाहनः अहिरवारा मोड़, कुम्हारी, मुरमुंडा चौक, कोचेवंद, मलपुरी कला, भालेसर, कंडरका चौक, पथरीडी, उरला, बिरगांव, रायपुर।
4. भिलाई एवं बीएसपी कमर्चारियों के लिएः उतई, सेलूद, फूंडा और मोतीपुर मार्ग शामिल हैं।

दुर्ग पुलिस की अपील

दुर्ग पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि रायपुर की ओर यात्रा करने से पहले पर्याप्त समय लेकर घर से निकलें और निर्धारित वैकल्पिक मार्गों का ही उपयोग करें। निर्माण कार्य के कारण बंद सिरसा गेट मार्ग पर जाने का प्रयास न करें। यातायात पुलिस के निर्देशों और डायवर्सन व्यवस्था का पालन कर सुरक्षित एवं सुगम यातायात बनाए रखने में सहयोग करें।

पुलिस महानिदेशक अरुण देव गौतम पहुंचे कोरिया

पुलिस अधिकारियों की बैठक ली, पुलिस मितान को बांटी फर्स्ट एड किट

नई दृष्टिबिंदु / कोरिया

प्रदेश के पुलिस महानिदेशक अरुण देव गौतम शनिवार को कोरिया जिले के दौरे पर पहुंचे। पुलिस लाइन में उनका स्वागत किया गया। इस अवसर पर पुलिस महानिरीक्षक सरगुजा संभाग दीपक कुमार झा और पुलिस अधीक्षक रवि कुमार कुर्रे सहित जिले के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौजूद रहे।

जिले में पहुंचने के बाद डीजीपी ने पुलिस अधिकारियों की आवश्यक बैठक ली और बेहतर पुलिसिंग के लिए जरूरी दिशा-निर्देश दिए। बैठक में कानून व्यवस्था, अपराध नियंत्रण और जनसहयोग से पुलिसिंग को मजबूत करने पर पुलिसिंग को मजबूत करेगा।"

चर्चा हुई। बैठक के बाद पुलिस लाइन परिसर में 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत डीजीपी ने बादाम का पौधा लगाया। इसके बाद वे पुलिस मितान कार्यक्रम में शामिल हुए और पुलिस मितान सदस्यों को फर्स्ट एड किट वितरित की।

सीबीआई जांच की सिफारिश पर बोले डीजीपी

इस दौरान मीडिया से बात करते हुए पुलिस महानिदेशक अरुण देव गौतम ने कहा कि "बेहतर पुलिसिंग के सुझाव तो देता रहता हूं, लेकिन यह मेरे लिए प्रसन्नता का विषय है कि यह मेरा पहला जिला था और यहां आने का अवसर काफी समय बाद मिला। दोनों जिलों में पुलिसिंग का इंफ्रास्ट्रक्चर और उससे जुड़ी चीजें काफी विकसित हुई हैं, जो निश्चित तौर पर अच्छी कोरिया जिले की हाल की घटना के संबंध में उन्होंने कहा कि "कोरिया जैसा शांत जिला है। घटना प्रकृति के बिल्कुल विपरीत है। पुलिस ने तफ्तीश कर जिनकी गिरफ्तारी होनी थी, उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया है। राज्य सरकार की ओर से इस मामले में सीबीआई जांच की सिफारिश भी की गई है। पुलिस ने जांच की काफी आगे बढ़ा दिया है, फिर भी कोई नया तथ्य सामने आएगा तो सीबीआई जांच कर सकती है।"

जनसहयोग पर दिया जोर

डीजीपी ने आमजन से शांति बनाए रखने में सहयोग की अपील की। उन्होंने कहा कि "इतनी बढ़िया शांतिप्रिय जगह को इस प्रकार के माहौल से मुक्त रखने के लिए आमजन को आगे आना होगा। पुलिस हर जगह मौजूद नहीं हो सकती। आमजन की जागरूकता और सहयोग से ही सुरक्षा और शांति संभव है। सड़क सुरक्षा के लिए पुलिस मितान इसका उदाहरण है। इसलिए समाज की भागीदारी पुलिस के साथ जरूरी है।" कार्यक्रम में जिले के पुलिस अधिकारी और पुलिस मितान सदस्य उपस्थित रहे।

रायपुर में एक्सपायरी मिल्क पाउडर पीने से नवजात की मौत का आरोप,परिजनों ने लक्ष्मी मेडिकल हॉल पर लगाए गंभीर आरोप

रायपुर। राजधानी में एक्सपायरी डेट का मिल्क पाउडर पिलाने से एक नवजात बच्ची की मौत का मामला सामने आया है। परिजनों ने लक्ष्मी मेडिकल हॉल पर एक्सपायरी मिल्क पाउडर बेचने का आरोप लगाते हुए मौदहापारा थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई है। जानकारी के अनुसार नवजात की तबियत बिगड़ने पर डॉक्टरों ने परिजनों को इसकी सूचना दी। इसके बाद परिजन मिल्क पाउडर का डिब्बा लेकर लक्ष्मी मेडिकल दुकान शिकायत करने पहुंचे। परिजनों का आरोप है कि दुकान संचालकों ने एक्सपायरी मिल्क पाउडर का डिब्बा छीन लिया और दूसरा डिब्बा देकर जांच का हवाला दिया। दूध पीने के बाद आज नवजात बच्ची की मौत हो गई। घटना की सूचना पर पुलिस मेकाहारा अस्पताल पहुंची और मामले की जांच शुरू की। परिजनों ने मौदहापारा थाना में लिखित शिकायत दी है। वहीं उटल्डे ने भी मामले की जांच कर कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

बीएसपी से 250 टन स्क्रैप चोरी का मामला

400 सीसीटीवी के बावजूद होता रहा काला कारोबार

अब तक 13 गिरफ्तार, 3 करोड़ की संपत्ति राजसात, सीआईएसएफ अधिकारियों से 5 घंटे पूछताछ

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

भिलाई स्टील प्लांट के अंदर से 250 टन लौह स्क्रैप की चोरी के मामले में पुलिस ने बड़ा खुलासा किया है। प्लांट में 600 से ज्यादा सीआईएसएफ जवान और 400 से अधिक सीसीटीवी कैमरे लगे होने के बावजूद स्क्रैप की चोरी लगातार हो रही थी। पुलिस को सूचना मिलने पर अकलोरडीह स्थित एके ट्रेडर्स के गोदाम में छापा मारा गया। यहां बीएसपी का फ्लू डस्ट और 250 टन चोरी का लौह स्क्रैप बरामद किया गया। मामले में अब तक 13 आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। मुख्य आरोपी ट्रांसपोर्टर संजय सिंह की 3 करोड़ रुपये की चल-अचल संपत्ति और 50 लाख के जेवर राजसात किए गए हैं।

कैसे होता था चोरी का खेल : पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी आकाश सिंह फ्लू डस्ट से स्क्रैप अलग कर रसूखदारों के ट्रकों से उसे रसमडा और सिलतरा की कंपनियों में खपाता था। पुलिस ने उसे एक हफ्ते तक रिमांड पर रखा, लेकिन अब तक उन कंपनियों तक नहीं पहुंच सकी जिन्होंने चोरी का माल खरीदा। स्क्रैप खरीदने वाली कंपनियां भी पुलिस के रडार पर हैं।

पुलिस ने गोदाम मालिक मोहम्मद सलीम का नाम उजागर किया है। सूत्रों के अनुसार गोदाम को हिस्ट्रीशीटर किराए पर चला रहे थे। इसमें किसी "ठाकुर" नाम के व्यक्ति की भूमिका भी संदिग्ध बताई जा रही है, लेकिन उससे अभी पूछताछ नहीं हो सकी है। एक नंबर प्लेट के दो वाहन कैसे चल रहे थे और हिस्ट्रीशीटरों के वाहन फ्लू डस्ट में किस आधार पर चल रहे थे, इसका खुलासा अभी बाकी है।

सीआईएसएफ अधिकारियों से पूछताछः इस मामले में बीएसपी की सुरक्षा की जिम्मेदारी सीआईएसएफ के पास है। भिलाई-तीन पुलिस ने शुक्रवार और शनिवार को सीआईएसएफ के सब इंस्पेक्टर और हेड कॉन्स्टेबल से करीब 5 घंटे तक एसीयू में पूछताछ की।

एएसपी सुखनंदन राठौर ने बताया कि "सीआईएसएफ के एसआई और हेड कॉन्स्टेबल से पूछताछ की गई है। मामले में इन्वेस्टिगेशन की जा रही है। तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।" पूछताछ में पुलिस ने एसओपी, ड्यूटी रोस्टर, वाहनों की चेकिंग प्रक्रिया और चोरी वाले स्थान पर डिप्लॉयमेंट को लेकर सवाल किए। एसी और पंखे वाले कमरे में भी अधिकारियों के चेहरे से पसीना छूटता रहा।

अब बचे हैं बड़े मगरमच्छः पुलिस अब मामले के अंतिम चरण में है। ट्रांसपोर्टर, कंपनी मैनेजर, सुपरवाइजर, चालक और बीएसपी अधिकारियों से पूछताछ पूरी हो चुकी है। पुलिस सूत्रों के अनुसार जल्द ही बीएसपी प्रबंधन और पुलिस मिलकर बड़ा फैसला ले सकते हैं और चोरी में शामिल बड़े नामों का खुलासा हो सकता है।

मुख्य आरोपी अब भी फरारः पुलिस अब तक हिमांशु ब्रदर्स के संचालक हिमांशु खंडेलवाल, आर डीके इंडस्ट्री के गिरीश खंडेलवाल, गोदाम संचालक मोहम्मद सलीम और 10 हजार के इनामी ट्रांसपोर्टर अभय सिंह की तलाश कर रही है। पुलिस यह भी पता लगा रही है कि इन्हें किसके इशारे पर बचाया जा रहा था।

बीरा के अंगना में हुआ दिव्यांगजन जागरूकता शिविर का भव्य आयोजन

पुर्नवास सेवाओं, शैक्षणिक पाठ्यक्रमों और सरकारी योजनाओं की दी गई जानकारी

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

दिव्यांगजन कौशल विकास, पुर्नवास एवं सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से समग्र क्षेत्रीय केन्द्र उप्स, राजनांदगांव और सर्व समाज कल्याण समिति, भिलाई के सहयोग से कोहका, भिलाई में जागरूकता शिविर आयोजित किया गया।

शिविर का संचालन सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार के दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग DEPwD के अधीन कार्यरत CRC, राजनांदगांव द्वारा किया गया। कार्यक्रम में सर्व समाज कल्याण समिति के अध्यक्ष इन्द्रजीत सिंह सहित पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

पुर्नवास सेवाओं की जानकारी

CRC राजनांदगांव के अधिकारियों ने केन्द्र में उपलब्ध फिजियोथेरेपी, ऑक्यूपेशनल थेरेपी, विजन थेरेपी, स्पीच एवं हियरिंग सेवाएं, विशेष शिक्षा, क्लिनिकल साइकोलॉजी और प्रारंभिक हस्तक्षेप जैसी बहुविषयक सेवाओं की विस्तृत जानकारी दी। अभिभावकों को बताया गया कि बच्चों में विकास संबंधी विलंब या दिव्यांगता की शीघ्र पहचान और समय पर उपचार से उनके समुचित विकास और जीवन गुणवत्ता में सुधार संभव है।

शैक्षणिक पाठ्यक्रम व रोजगार

इस अवसर पर केन्द्र द्वारा संचालित डिप्लोमा इन इंडियन साइन लैंग्वेज इंटरप्रिटेशन DISLI और डिप्लोमा इन एजुकेशनhttp://D.Ed. (IDD) पाठ्यक्रमों की जानकारी दी गई। प्रतिभागियों को पाठ्यक्रमों की पात्रता, स्वरूप और विशेष शिक्षा के क्षेत्र में रोजगार की संभावनाओं से अवगत कराया गया।

सरकारी योजनाओं पर चर्चा

शिविर में भारत सरकार द्वारा संचालित कल्याणकारी योजनाओं, विशेषकर सहायक उपकरणों और कृत्रिम अंगों के वितरण संबंधी योजनाओं की जानकारी दी गई। लोगों से अपील की गई कि वे दिव्यांगता प्रमाण-पत्र, UDID कार्ड, आधार कार्ड, आय प्रमाण-पत्र जैसे दस्तावेज अद्यतन रखें ताकि योजनाओं का लाभ आसानी से मिल सके। कार्यक्रम के अंत में प्रश्नोत्तर सत्र हुआ, जिसमें नागरिकों की शंकाओं का समाधान किया गया। उप्स टीम ने केन्द्र का पता, संपर्क और सेवाओं की जानकारी भी साझा की।

उपस्थित अधिकारी

शिविर में प्रशांत मेश्राम, सहायक प्राध्यापक क्लिनिकल साइकोलॉजी, धर्मेन्द्र साहू, भानुप्रताप साहू, आकाश राय और दिलीप वर्मा उपस्थित थे। कार्यक्रम का समन्वय नितिन देवांगन, प्रशासनिक अधिकारी CRC राजनांदगांव ने किया। स्थानीय नागरिकों ने शिविर की सराहना की और इसे जानकारीपरक बताया।

अंडर 19 और अंडर 13 जिला शतरंज चैम्पियनशिप का महापौर नीरज पाल ने किया शुभारंभ

दिमागी कौशल बढ़ाने का सशक्त माध्यम है शतरंज : महापौर, चयनित खिलाड़ी राज्य शतरंज चैंपियनशिप में जिले का करेंगे प्रतिनिधित्व

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग-भिलाई

छत्तीसगढ़ प्रदेश शतरंज संघ के निर्देशन में जिला शतरंज संघ दुर्ग द्वारा स्मृति गृह निर्माण सहकारी संस्था मर्यादित स्मृति नगर भिलाई के सहयोग से स्वामी विवेकानंद भवन स्मृति नगर भिलाई में आयोजित जिला स्तरीय अंडर 19 एवं अंडर 13 शतरंज चैंपियनशिप का भव्य शुभारंभ महापौर नीरज पाल के मुख्य आतिथ्य एवं स्मृति गृह निर्माण सहकारी संस्था के अध्यक्ष राजीव चौबे की अध्यक्षता में शतरंज की चाल चलकर किया गया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रसिद्ध समाजसेवी कैलाश जैन बरमेचा, श्रीमती रीता तिवारी, आरती अरोरा, दीप चटर्जी, संजय मदनाल, अमित देशमुख, देवव्रत चौधरी इंटरनेशनल आर्बिटर अलंकार भिवगड़े, शतरंज प्रशिक्षक सुरेंद्र बल्हेवार उपस्थित थे।

जिला शतरंज संघ दुर्ग के अध्यक्ष ईश्वर सिंह राजपूत एवं सचिव तुलसी सोनी ने बताया कि स्पर्धा में दोनों वर्गों में जिले के कुल 84 खिलाड़ियों ने भाग लिया है। जिसमें अंडर 19 में 4 बालक एवं 4 बालिकाओं तथा अंडर 13 में 2 बालक एवं 2 बालिकाओं का चयन राज्य शतरंज चैंपियनशिप के लिए किया जाएगा।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि महापौर नीरज पाल ने उपस्थित खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए शतरंज को दिमागी कौशल बढ़ाने का सशक्त माध्यम बताया। उन्होंने सभी भाग लेने वाले खिलाड़ियों को अच्छे खेल का प्रदर्शन करने तथा जिले का नाम राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अंकित करने का आव्हान किया। महापौर ने स्मृति गृह निर्माण सहकारी संस्था मर्यादित एवं अध्यक्ष राजीव चौबे को खेलो एवं खेल आयोजनों को बढ़ावा देने के लिए उनकी प्रशंसा की।

कार्यक्रम के अध्यक्ष राजीव चौबे ने बताया कि संस्था द्वारा सभी खेलों को बढ़ावा देने के समय समय पर आयोजन एवं प्रति वर्ष ग्रीष्मकालीन में सभी खेलों का निःशुल्क समर कैंप लगाया जाता है। उन्होंने सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए आयोजन के लिए जिला शतरंज संघ दुर्ग की सराहना करते हुए सदैव सहयोग प्रदान करने का आश्वासन दिया।

विशिष्ट अतिथि प्रसिद्ध समाजसेवी कैलाश जैन बरमेचा ने भी आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि आयोजन के माध्यम से ही छिपी प्रतिभा निखरकर सामने आती है। उन्होंने जिले में शतरंज को बढ़ावा देने के लिए शतरंज संघ की सराहना करते हुए हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया।

सर्वप्रथम अतिथियों का स्वागत जिला शतरंज संघ दुर्ग के अध्यक्ष ईश्वर सिंह राजपूत, अनिल शर्मा, दिनेश जैन, गुलाब चौहान, जयंता दास, दिव्यांशु उपाध्याय एवं अन्य पदाधिकारियों द्वारा किया गया।

स्पर्धा के मुख्य निर्णायक इंटरनेशनल आर्बिटर रॉकी देवांगन एवं सहायक के रूप में फीडे आर्बिटर अनिल शर्मा तथा आशुतोष चावरे, चंदन विश्वकर्मा है। कार्यक्रम के अंत में महापौर नीरज पाल एवं अतिथियों को जिला शतरंज संघ दुर्ग द्वारा स्मृति चिन्ह प्रदान किया गया। कार्यक्रम का संचालन जिला शतरंज संघ दुर्ग के अध्यक्ष ईश्वर सिंह राजपूत एवं आभार प्रदर्शन संघ के सचिव तुलसी सोनी ने किया।

खास खबर

मनीष पांडेय ने किए बाबा बर्फानी के दर्शन, भिलाई और छत्तीसगढ़ की सुख-समृद्धि की कामना

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

भारतीय जनता पार्टी के युवा नेता एवं श्रीराम जन्मोत्सव समिति युवा विंग, भिलाई के अध्यक्ष मनीष पाण्डेय ने 10 श्रद्धालुओं के दल के साथ पवित्र श्री अमरनाथ यात्रा सफलतापूर्वक पूर्ण की और बाबा बर्फानी के दर्शन किए। लगभग दो दिनों तक चली 36 किलोमीटर की पैदल यात्रा के बाद श्रद्धालुओं ने पवित्र गुफा में बाबा बर्फानी के दर्शन कर भिलाई सहित समस्त छत्तीसगढ़वासियों के सुख, समृद्धि, खुशहाली और उत्तम स्वास्थ्य की कामना की। मनीष पाण्डेय ने बताया कि अमरनाथ यात्रा आस्था, विश्वास और आध्यात्मिक ऊर्जा का अद्भुत संगम है। कठिन चढ़ाई और चुनौतीपूर्ण मार्ग के बावजूद बाबा बर्फानी के दर्शन का अनुभव अविस्मरणीय रहा। यात्रा के दौरान देश के विभिन्न राज्यों से आए श्रद्धालुओं से आत्मीय मुलाकात हुई और सभी में भगवान शिव के प्रति अटूट श्रद्धा एवं उत्साह देखने को मिला। उन्होंने यात्रा के दौरान किए गए सुरक्षा प्रबंधों की सराहना करते हुए भारतीय सेना, जम्मू-कश्मीर पुलिस, सीआरपीएफ एवं प्रशासन द्वारा श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए किए गए इंतजामों की प्रशंसा की।

कार्यपालक निदेशक खंडेलवाल को भावभीनी विदाई, शिरीष संभालेंगे दुर्ग क्षेत्र की कमान

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड, दुर्ग क्षेत्र के कार्यपालक निदेशक संजय खंडेलवाल को उनके स्थानांतरण पर आयोजित एक गरिमामयी समारोह में भावभीनी विदाई दी गई। श्री खंडेलवाल को अब रायपुर मुख्यालय में कार्यपालक निदेशक (संचारण-संधारण) के महत्वपूर्ण पद पर पदस्थ किया गया है, जहाँ से वे पूरे प्रदेश की विद्युत वितरण व्यवस्था के संचालन का दायित्व संभालेंगे। दुर्ग क्षेत्र में श्री खंडेलवाल के स्थान पर अब शिरीष सेलट नए कार्यपालक निदेशक के रूप में कार्यभार ग्रहण करेंगे।

विदाई समारोह में उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने 26 दिसंबर 2024 से अब तक के उनके कार्यकाल को अविस्मरणीय बताया। वक्ताओं ने कहा कि श्री खंडेलवाल न केवल एक कुशल नेतृत्वकर्ता हैं, बल्कि बहुत ही बुद्धिमान, सज्जन और सकारात्मक सोच रखने वाले व्यक्ति भी हैं, जो बड़ी से बड़ी समस्याओं का समाधान सहजता से कर लेते हैं। उनके कार्यकाल में कार्यालय में एक शांत एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण रहा, जो भविष्य में भी सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत बना रहेगा।

अपने संबोधन में श्री खंडेलवाल ने कहा कि कार्य को पूरी जिम्मेदारी और निष्ठा से करना ही सफलता की कुंजी है। उन्होंने कहा कि नई जिम्मेदारी के साथ प्रदेश की जनता और कर्मचारियों की अपेक्षाओं पर खरा उतरने का वे हर संभव प्रयास करेंगे। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय अपनी धर्मपत्नी श्रीमती रितु खंडेलवाल को देते हुए उनके सहयोग के प्रति आभार जताया। साथ ही, उन्होंने उपस्थित सभी सहकर्मियों से आग्रह किया कि वे नवपदस्थ कार्यपालक निदेशक शिरीष सेलट को भी दुर्ग क्षेत्र के विकास हेतु अपना पूर्ण सहयोग प्रदान करें। कार्यक्रम में कार्यपालक निदेशक श्री खंडेलवाल की पत्नी श्रीमती रितु खंडेलवाल, अतिरिक्त मुख्य अभियंता एस. मनोज, इसीजीआरएफ के अध्यक्ष पी.वी.सजीव, अधीक्षण अभियंता तरुण कुमार ठाकुर, डीजीएम एच आर संतोष साहू एवं कार्यपालन अभियंता श्रीमती अनसुईया ठाकुर सहित कार्यालय के सभी अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित हुए।

विधायक चंद्राकर ने खिलाड़ियों का बढ़ाया हौसला

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

बोरसी स्थित सांस्कृतिक भवन में जिला ताइक्वांडो संघ, दुर्ग के तत्वावधान में जिला स्तरीय ताइक्वांडो चैंपियनशिप का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए ताइक्वांडो खिलाड़ियों ने अनुशासन, फुर्ती और खेल भावना का उत्कृष्ट प्रदर्शन कर दर्शकों की तालियां बटोरीं। विधायक श्री चंद्राकर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खेलो इंडिया और फिट इंडिया अभियान को साकार करने के लिए प्रदेश में खेलों को लगातार बढ़ावा दिया जा रहा है। ताइक्वांडो जैसे मार्शल आर्ट ने केवल शारीरिक मजबूती देते हैं, बल्कि अनुशासन, आत्मरक्षा और आत्मविश्वास भी सिखाते हैं। उन्होंने कहा, "मुझे गर्व है कि हमारे

जिले के युवा राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर छत्तीसगढ़ का नाम रोशन कर रहे हैं। सरकार और जिला प्रशासन खिलाड़ियों को हर संभव सुविधा उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है।" उन्होंने सभी प्रतिभागियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं भी दीं। इस अवसर पर जिला ताइक्वांडो संघ के पदाधिकारी, प्रशिक्षक, अभिभावक और बड़ी संख्या में खेल प्रेमी उपस्थित रहे।

जिला शतरंज चैम्पियनशिप : ईशान सैनी और परिधि लिलहारे बने अंडर-19 चैम्पियन, अंडर-13 में शिल्प कुमार और इशिका मड़के ने मारी बाजी, 84 खिलाड़ियों ने दिखाया दम

भिलाई। छत्तीसगढ़ प्रदेश शतरंज संघ के निर्देशन में जिला शतरंज संघ दुर्ग द्वारा स्मृति गृह निर्माण सहकारी संस्था के सहयोग से स्वामी विवेकानंद भवन, स्मृति नगर में आयोजित दो दिवसीय जिला स्तरीय शतरंज चैंपियनशिप का समापन रविवार को हुआ।

अंडर-19 ओपन वर्ग में ईशान सैनी ने 4.5 अंक लेकर जिला चैम्पियन का खिताब जीता। वहीं बालिका वर्ग में परिधि लिलहारे ने भी 4.5 अंक के साथ पहला स्थान प्राप्त किया। अंडर-13 ओपन वर्ग में शिल्प कुमार घोड़ेसवार 5.5 अंक के साथ विजेता बने, जबकि बालिका वर्ग में इशिका मड़के ने 5 अंक लेकर ट्रॉफी अपने नाम की।

विजेताओं को किया गया सम्मानित

समापन समारोह में मुख्य अतिथि स्मृति गृह निर्माण सहकारी संस्था के अध्यक्ष राजीव चौबे, जिला शतरंज संघ के सचिव तुलसी सोनी, प्रशिक्षक सुरेंद्र बल्हेवार, इंटरनेशनल आर्बिटर अलंकार भिवगड़े और रॉकी देवांगन ने विजेताओं को ट्रॉफी, मेडल और ई-सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया।

जिला शतरंज संघ के अध्यक्ष ईश्वर सिंह राजपूत ने बताया कि स्पर्धा में अंडर-19 और अंडर-13 दोनों वर्गों में जिले के कुल 84 खिलाड़ियों ने भाग लिया। कुल 6 चक्र के मैच खेले गए।

अन्य प्रमुख परिणाम

अंडर-19 ओपन: द्वितीय अभिनव सिंह राजपूत - 4.5 अंक, तृतीय शुभम सिंह - 4.5 अंक, चतुर्थ गुणवंत साहू - 4.5 अंक, पांचवां शशिद्र सिंह - 4 अंक, छठवां आयर्मान भिवगड़े - 4 अंक। अंडर-19 बालिका: द्वितीय आयनी त्रिपाठी - 3 अंक, तृतीय आद्रीका - 3 अंक, चतुर्थ मिताली राजपूत - 3 अंक, पांचवी कासवी जैन - 2.5 अंक, छठवी वारसी माण्डले - 2.5 अंक। अंडर-13 ओपन: द्वितीय पार्थ मिश्रा - 5 अंक, तृतीय वी. विराट अय्यर - 5 अंक, चतुर्थ वेतस माण्डले - 5 अंक, पांचवां प्रांजल सिंह - 5 अंक, छठवां नीर जैन - 4.5 अंक।

राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए चयन

इस चैंपियनशिप से अंडर-19 ओपन एवं बालिका वर्ग के शीर्ष 4 खिलाड़ियों और अंडर-13 ओपन एवं बालिका वर्ग के शीर्ष 2 खिलाड़ियों का चयन राज्य शतरंज चैंपियनशिप के लिए हुआ है।

खेलों को बढ़ावा देने तत्पर - राजीव चौबे

मुख्य अतिथि राजीव चौबे ने कहा कि स्मृति गृह निर्माण सहकारी संस्था खेलों को बढ़ावा देने के लिए सदैव तत्पर है। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को बधाई दी और आगे भी सहयोग का आश्वासन दिया। साथ ही शानदार आयोजन के लिए जिला शतरंज संघ की सराहना की। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे सचिव तुलसी सोनी ने कहा कि हार-जीत खेल का हिस्सा है। कड़ी मेहनत और दृढ़ संकल्प से लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। स्पर्धा के मुख्य निर्णायक इंटरनेशनल आर्बिटर रॉकी देवांगन रहे। सहयोग में फीडे आर्बिटर अनिल शर्मा, धीरज चावरे और चंदन विश्वकर्मा रहे। संचालन ईश्वर सिंह राजपूत और आभार प्रदर्शन अनिल शर्मा ने किया।

स्कूली बच्चों की सुरक्षा को लेकर दुर्ग यातायात पुलिस का अभियान

201 स्कूल बसों की जांच, 12 बसों पर चालान, 41 चालकों में मिली बीपी-शुगर की शिकायत

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

स्कूली छात्र-छात्राओं के सुरक्षित परिवहन को सुनिश्चित करने के लिए यातायात पुलिस दुर्ग और परिवहन विभाग ने शनिवार को सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइन के अनुसार संयुक्त स्कूल बस जांच शिविर का आयोजन किया।

पुलिस ग्राउण्ड सेक्टर 06 भिलाई में लगे शिविर में जिले के 16 शैक्षणिक संस्थानों की 201 स्कूल बसों की जांच की गई। जांच में 12 बसों में खामियां पाई गई, जिन पर मोटर व्हीकल एक्ट के तहत चालान किया गया।

किन-किन बिंदुओं की हुई जांच

शिविर में पहले वाहनों के रजिस्ट्रेशन, परमिट, फिटनेस, बीमा, पीयूसी, रोड टैक्स और चालक का लाइसेंस चेक किया गया। इसके बाद हेडलाइट, ब्रेक लाइट, इंडिकेटर, टायर, स्टीयरिंग, हॉर्न, वाइपर, सीट और रिफ्लेक्टर जैसी मैकेनिकल व्यवस्थाओं की जांच हुई।

सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के अनुसार बसों में जीपीएस, सीसीटीवी कैमरा, स्पीड गवर्नर, प्रेशर हॉर्न, आपातकालीन खिड़की, फर्स्ट एड बॉक्स, अग्निशमन यंत्र, स्कूल का नाम, टेलीफोन नंबर और चालक का मोबाइल नंबर भी जांचा गया। बसों के आगे-पीछे "स्कूल बस" लिखा होना भी अनिवार्य किया गया। जांच के दौरान चालक-परिचालकों का स्वास्थ्य परीक्षण भी किया गया। इसमें 41 चालकों में बीपी और शुगर संबंधी शिकायतें पाई गई।

यातायात पुलिस ने कहा कि जिन बसों ने शिविर में जांच नहीं कराई है, उनकी जांच स्कूल जाकर की जाएगी। खामी वाली बसों को खामियां दूर करने के बाद ही संचालन करने के निर्देश दिए गए हैं।

शिविर में यातायात पुलिस से निरीक्षक पी.डी. चंद्रा, एएसआई मुस्ताक खान, परिवहन विभाग से निरीक्षक सुषमा इक्का, रामचंद्र कुंजाम, एएसआई शशिकांत बंजारे, जितेश ठाकुर, आर.के. राठे तथा जिला चिकित्सालय दुर्ग की मेडिकल टीम मौजूद रही।

सामुदायिक मध्यस्थता अभियान की शुरुआत, ग्रामीणों को दिया विवादों के सौहार्दपूर्ण समाधान का संदेश

ग्रामीण क्षेत्रों में न्यायालयीन वादों की संख्या में कमी लाते हुए स्थानीय स्तर पर आपसी संवाद एवं सहमति के माध्यम से विवादों का शांतिपूर्ण समाधान सुनिश्चित करना है

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (NALSA), नई दिल्ली द्वारा जारी "Community Mediation Towards a Litigation-Free Rural Ind" स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर, 2026 के प्रभावी क्रियान्वयन के अंतर्गत जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दुर्ग द्वारा ग्राम कुथरेल में सामुदायिक मध्यस्थता विषयक जागरूकता एवं संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में न्यायालयीन वादों की संख्या में कमी लाते हुए स्थानीय स्तर पर आपसी संवाद एवं सहमति के माध्यम से विवादों का शांतिपूर्ण समाधान सुनिश्चित करना है।

कार्यक्रम में स्थायी एवं निरंतर लोक अदालत (जनोपयोगी सेवाएं), दुर्ग की अध्यक्ष सुषमा लकड़ा, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दुर्ग के सचिव उमेश कुमार भागवतकर तथा वरिष्ठ न्यायालय प्रबंधक ने ग्राम पंचायत भवन में

आयोजित बैठक में ग्रामीणों, जनप्रतिनिधियों, महिला समूहों, पैरालीगल वालंटियर्स (PLVs), युवाओं एवं गणमान्य नागरिकों से संवाद किया।

अपने संबोधन में स्थायी एवं निरंतर लोक अदालत (जनोपयोगी सेवाएं), दुर्ग की अध्यक्ष सुषमा लकड़ा ने कहा कि सामुदायिक मध्यस्थता न्यायालयीन प्रक्रिया का विकल्प नहीं, बल्कि सामाजिक समरसता को सुदृढ़ करने वाला एक प्रभावी माध्यम है। उन्होंने कहा कि अधिकांश स्थानीय विवाद संवाद, समझदारी एवं निष्पक्ष मध्यस्थता के माध्यम से प्रारंभिक स्तर पर ही समाप्त किए जा सकते हैं, जिससे समय, धन एवं श्रम की बचत होने के साथ-साथ पारिवारिक एवं सामाजिक संबंध भी सुरक्षित रहते हैं।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दुर्ग के सचिव उमेश कुमार भागवतकर ने ग्रामीणों को निःशुल्क विधिक सहायता, लोक अदालत, विधिक साक्षरता कार्यक्रमों तथा राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण की विभिन्न योजनाओं की जानकारी देते हुए बताया कि सामुदायिक मध्यस्थता कार्यक्रम का उद्देश्य ग्राम स्तर पर संवाद आधारित विवाद समाधान की संस्कृति विकसित करना तथा प्रत्येक नागरिक के लिए न्याय तक सरल एवं त्वरित पहुंच सुनिश्चित करना है।

बैठक के दौरान अधिकारियों ने बताया कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दुर्ग द्वारा सामुदायिक मध्यस्थता कार्यक्रम के लिए जिले के चयनित ग्रामों में चरणबद्ध रूप से जागरूकता अभियान, प्रशिक्षण कार्यक्रम, मध्यस्थता उन्मुख कायशालाएं एवं जनसंवाद आयोजित किए जा रहे हैं, जिससे ग्रामीण स्वयं अपने छोटे-छोटे विवादों का सौहार्दपूर्ण समाधान करने के लिए प्रेरित हों।

कार्यक्रम में उपस्थित ग्रामीणों ने सामुदायिक मध्यस्थता की अवधारणा का स्वागत करते हुए इसे ग्राम स्तर पर शांति, सद्भाव एवं सामाजिक एकता को सुदृढ़ करने वाली प्रभावी पहल बताया। ग्रामीणों ने भविष्य में आयोजित होने वाले प्रशिक्षण एवं जागरूकता कार्यक्रमों में सक्रिय सहभागिता का आश्वासन भी दिया। कार्यक्रम में ग्राम पंचायत के जनप्रतिनिधि, पंचायत पदाधिकारी, पैरालीगल वालंटियर्स, आंगनबाड़ी एवं मितानिन कार्यकर्ता, महिला स्व-सहायता समूहों की सदस्याएं, युवा तथा बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दुर्ग द्वारा आगामी दिनों में चयनित अन्य ग्रामों में भी इस प्रकार के संवाद एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, ताकि "वाद-मुक्त ग्रामीण भारत" की परिकल्पना को व्यवहारिक रूप से साकार करते हुए न्याय तक सरल पहुंच, सामाजिक समरसता एवं विवादों के वैकल्पिक समाधान की संस्कृति को व्यापक स्तर पर विकसित किया जा सके।

चिंतन शिविर 3.0 : योग से हुई नई सुबह, मुख्यमंत्री ने दिया स्वस्थ और संतुलित जीवन का संदेश

प्रदेशवासियों से योग को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने का किया आह्वान

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने चिंतन शिविर 3.0 के दूसरे दिन की शुरुआत योगाभ्यास के साथ की। भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) नवा रायपुर के स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आयोजित विशेष योग सत्र में उन्होंने मंत्रिमंडल के सदस्यों के साथ विभिन्न योगासन और प्राणायाम का अभ्यास किया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि योग भारत की प्राचीन ज्ञान परंपरा की अमूल्य धरोहर है, जो स्वस्थ शरीर, शांत मन और संतुलित जीवन का आधार है। उन्होंने कहा कि नियमित योग न केवल शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ बनाता है, बल्कि व्यक्ति को प्रकृति के साथ सामंजस्य स्थापित करने की प्रेरणा भी देता है। उन्होंने प्रदेशवासियों से योग को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने का आह्वान किया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि सुशासन और प्रभावी निर्णय क्षमता के लिए शारीरिक एवं

मानसिक रूप से स्वस्थ रहना आवश्यक है। इसी उद्देश्य से चिंतन शिविर के दौरान दिन की शुरुआत योग से की गई, ताकि सकारात्मक ऊर्जा और एकाग्रता के साथ राज्य के विकास से जुड़े विषयों पर सार्थक विचार-विर्मश किया जा सके। उन्होंने कहा कि योगाभ्यास के इस सामूहिक आयोजन से चिंतन शिविर 3.0 में सकारात्मक ऊर्जा के साथ अनुशासन और स्वस्थ जीवनशैली के संदेश को नई दिशा मिलेगी।

योग सत्र में उपमुख्यमंत्री अरुण साव, वन मंत्री केदार कश्यप, कृषि मंत्री रामविचार नेताम, खाद्य मंत्री दयालदास बघेल, उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन, स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा, महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े, पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल, स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव तथा आईआईएम रायपुर के अधिकारी भी उपस्थित थे।

खास खबर

नारायणपुर के एकलव्य रचेंगे नई दिल्ली में इतिहास जोनल राष्ट्रीय युवा संसद में छग उपविजेता

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

8 बच्चों का संसद भवन के लिए चयन

नारायणपुर जिले के सुदूर वनांचल में स्थित एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय (EMRS) छेरीबेड़ा के बच्चों ने वह कर दिखाया है, जिस पर आज पूरा छत्तीसगढ़ गर्व कर रहा है। राजस्थान के उदयपुर (खेरवाड़ा) में आयोजित आंचलिक (जोनल) स्तरीय राष्ट्रीय युवा संसद प्रतियोगिता में इस विद्यालय की 53 सदस्यीय टीम ने न केवल राज्य का प्रतिनिधित्व किया, बल्कि अपने शानदार और दमदार प्रदर्शन से उपविजेता (रनर-अप) का खिताब भी अपने नाम कर लिया।

जोनल राष्ट्रीय युवा संसद के कड़े मुकाबले में मध्य प्रदेश की टीम पहले स्थान पर रही, लेकिन छत्तीसगढ़ के इन 'एकलव्यों' ने अपनी प्रतिभा से सबका दिल जीत लिया। इस ऐतिहासिक प्रदर्शन के दम पर विद्यालय के 8 होनहार छात्र-छात्राओं का चयन राष्ट्रीय स्तर के लिए हुआ है। अब ये बच्चे देश की राजधानी नई दिल्ली स्थित संसद भवन का शैक्षणिक भ्रमण करेंगे और वहां लोकतंत्र के सबसे बड़े मंदिर की कार्यवाही को अपनी आंखों से लाइव देखेंगे। प्रतियोगिता में उत्तराखंड, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के बीच कांटे की टक्कर थी। छत्तीसगढ़ की टीम से जिन 8 बच्चों ने राष्ट्रीय स्तर पर अपनी जगह पक्की की है। उनमें हर्षा ने प्रथम स्थान हासिल किया। इन्होंने 'स्पीकर' (लोकसभा अध्यक्ष) की बेहद चुनौतीपूर्ण भूमिका को इतनी कुशलता से निभाया कि प्रतियोगिता में पहला स्थान हासिल किया। मनसाय और अनुराधा दोनों ने अपने तर्कों और प्रभावशाली प्रस्तुति से उपविजेता का स्थान पाया। अंजीला, निकिता, वेदिका, जयबती और शामी इन पांचों विद्यार्थियों ने भी उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए तीसरा स्थान हासिल किया।

नारायणपुर जैसे पूर्व में नक्सल प्रभावित और आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र के बच्चों के लिए संसद की कार्यवाही का हिस्सा बनना और फिर सीधे नई दिल्ली के संसद भवन तक का टिकट कटाना, उनके अदम्य साहस और आत्मविश्वास की कहानी बयां करता है। उनकी इस सफलता के पीछे गुरुओं का मंत्र और प्रशासनिक संबल बच्चों की इस अभूतपूर्व सफलता के पीछे उनके गुरुओं की कड़ी मेहनत और प्रशासन का मजबूत साथ रहा है। विद्यालय के प्राचार्य के कुशल नेतृत्व और कार्यक्रम प्रभारी व सामाजिक विज्ञान के शिक्षक के समर्पित प्रशिक्षण ने बच्चों में वह आत्मविश्वास फूंका, जिससे वे मंच पर बिना झिझक के दहाड़ सके। एकलव्य विद्यालय के प्राचार्य ने इस गौरवशाली पल पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए NESTS मुख्यालय (नई दिल्ली), एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय स्टेट सोसायटी (CTD रायपुर), नारायणपुर कलेक्टर और आदिम जाति कल्याण विभाग के सहायक आयुक्त सहित सभी विभागीय अधिकारियों का उनके निरंतर सहयोग और मार्गदर्शन के लिए आभार जताया है।

अंतरराष्ट्रीय सहकारिता दिवस पर सहकारिता के भविष्य पर हुआ मंथन

रायपुर। अंतरराष्ट्रीय सहकारिता दिवस के अवसर पर राजधानी स्थित कृषि मंडपम, इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, लाभांडी में सहकारिता क्षेत्र की चुनौतियों, उपलब्धियों और भविष्य की संभावनाओं पर केंद्रित एक विशेष पैनल चर्चा आयोजित की गई। कार्यक्रम में विकसित भारत-2047 के संकल्प को साकार करने में सहकारिता की भूमिका पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ अपेक्स बैंक के प्राधिकृत अधिकारी केदारनाथ गुप्ता, मार्कफेड के प्राधिकृत अधिकारी शशिकांत द्विवेदी तथा जिला सहकारी केंद्रीय बैंक अंबिकापुर के अध्यक्ष रामकिशुन सिंह ने किया।

उल्लेखनीय है कि भारत सरकार के सहकारिता मंत्रालय के गठन के पाँच वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में प्रदेशभर में 29 जून से 6 जुलाई तक सहकारी सप्ताह मनाया जा रहा है। इसी श्रृंखला में विगत 4 जून को अंतरराष्ट्रीय सहकारिता दिवस पर यह विशेष आयोजन किया गया। पैनल चर्चा में विकसित भारत-2047 के लिए सहकारिता क्षेत्र से अपेक्षाओं पर विस्तार से चर्चा हुई। विशेषज्ञों ने वनांचल क्षेत्रों में लघु वनोपज सहकारी समितियों की भूमिका, दुग्ध सहकारिता के विस्तार, महिला सशक्तिकरण में दुग्ध सहकारी संस्थाओं के योगदान, ग्रामीण रोजगार सृजन में मत्स्य सहकारी समितियों की भूमिका तथा नाबार्ड, अपेक्स बैंक और जिला सहकारी बैंकों की जिम्मेदारियों पर अपने विचार रखे। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि सहकारिता ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने, किसानों की आय बढ़ाने, महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने और रोजगार के नए अवसर सृजित करने का प्रभावी माध्यम है। सहकारिता के माध्यम से विकसित भारत-2047 के लक्ष्य को गति देने के लिए सभी संस्थाओं के समन्वित प्रयास आवश्यक हैं।

मुख्यमंत्री की विशेष पहल पर प्रदेश में पर्याप्त रासायनिक खाद उपलब्ध

राज्य में 30 जून की स्थिति में 13 .16 लाख मीट्रिक टन से अधिक खाद का भण्डारण

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार किसानों को समय पर कृषि आदान उपलब्ध कराने के अपने संकल्प पर लगातार प्रभावी ढंग से कार्य कर रही है। खरीफ वर्ष 2026 के लिए 30 जून तक की स्थिति में 13 लाख 16 हजार 506 मीट्रिक टन उर्वरकों का भण्डारण किया जा चुका है। यह विशेष रूप से उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री की पहल पर छत्तीसगढ़ को माह जुलाई में 46,500 टन डीएपी सप्लाई की आपूर्ति प्राप्त हुई है, जो सामान्य से अधिक है। इससे अब किसानों के लिए पर्याप्त डीएपी उपलब्ध हो सकेगा। उल्लेखनीय है कि अब तक भंडारित कुल रासायनिक खाद पिछले साल इसी अवधि में भंडारित रासायनिक खाद की तुलना में 1.08 लाख मीट्रिक टन अधिक है।

वहीं प्रदेश में रासायनिक उर्वरकों के भण्डारण और वितरण की स्थिति यह दर्शाती है कि सरकार ने खेती के मौसम से पहले ही किसानों की जरूरतों को प्राथमिकता देते हुए पर्याप्त खाद उपलब्ध कराने की मजबूत व्यवस्था सुनिश्चित की है। मुख्यमंत्री ने कहा है कि किसानों को समय पर गुणवत्तापूर्ण खाद उपलब्ध कराना केवल कृषि उत्पादन बढ़ाने का माध्यम नहीं, बल्कि किसान परिवारों की समृद्धि और प्रदेश की कृषि अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

बता दें कि केन्द्र सरकार ने छत्तीसगढ़ के लिए खरीफ वर्ष 2026 में 15.55 लाख मीट्रिक टन उर्वरकों का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके विरुद्ध 30 जून की स्थिति में 13 लाख 16 हजार 506 मीट्रिक टन उर्वरकों का भण्डारण किया जा चुका है। इनमें यूरिया, डीएपी, एनपीके, एमओपी तथा एसएसपी जैसे सभी प्रमुख उर्वरक शामिल हैं। यह स्थिति इस बात का प्रमाण है कि किसानों को बुआई के दौरान खाद की उपलब्धता में किसी प्रकार की बाधा न आए, इसके लिए सरकार ने पहले से व्यापक तैयारी की है।

उल्लेखनीय है कि प्रदेश के किसानों को अभी तक 7 लाख 27 हजार 833 मीट्रिक टन उर्वरकों का वितरण किया जा चुका है। यह वितरण किसानों की वास्तविक मांग के अनुरूप लगातार किया जा रहा है। साथ ही प्रदेश में 5 लाख 88 हजार 673 मीट्रिक टन उर्वरकों का शेष भण्डार उपलब्ध है, जिससे आगामी दिनों में भी किसानों को निर्बाध रूप से खाद उपलब्ध कराई जा सकेगी।

यदि गत वर्ष की समान अवधि से तुलना करें तो इस वर्ष की उपलब्धियां और भी उत्साहजनक हैं। 30 जून 2025 तक प्रदेश में 12 लाख 25 हजार 929 मीट्रिक टन उर्वरकों का भण्डारण हुआ था, जबकि इस वर्ष यह बढ़कर 13 लाख 16 हजार 506 मीट्रिक टन हो गया है। अर्थात लगभग 90 हजार 577 मीट्रिक टन अधिक खाद का भण्डारण सुनिश्चित किया गया है।

इसी प्रकार, गत वर्ष 30 जून तक 7 लाख 66 हजार 161 मीट्रिक टन उर्वरकों का वितरण किया गया था। इस वर्ष अब तक लगभग 7.28 लाख मीट्रिक टन खाद किसानों तक पहुंच चुकी है। प्रदेश में वर्तमान में उपलब्ध 5.88 लाख मीट्रिक टन से अधिक का शेष भण्डार आगामी मांग को पूरा करने के लिए पर्याप्त है और यह सरकार की दूरदर्शी योजना एवं मजबूत आपूर्ति प्रबंधन का परिचायक है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने किसानों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि प्रदेश के किसी भी किसान को खाद के लिए अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े। यही कारण है कि राज्य सरकार खाद की उपलब्धता, भण्डारण, परिवहन एवं वितरण की सतत निगरानी कर रही है, जिससे खरीफ सीजन में किसानों को समय पर आवश्यक उर्वरक उपलब्ध हो रहे हैं।

मुख्यमंत्री साय ने एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत किया पौधारोपण

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने शभारतीय प्रबंध संस्थान (आईआईएम), नवा रायपुर में आयोजित चिंतन शिविर 3.0 के दूसरे दिन एक पेड़ माँ के नाम अभियान के अंतर्गत पौधरोपण किया। इस अवसर पर मंत्रिपरिषद के सदस्यों ने भी पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण एवं जनभागीदारी का संदेश दिया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि एक पेड़ माँ के नाम अभियान पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ सामाजिक संवेदनाओं को सशक्त बनाने का एक महत्वपूर्ण प्रयास है। उन्होंने प्रदेशवासियों से इस अभियान से जुड़कर पौधारोपण करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार हरित एवं विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण के लिए जनभागीदारी आधारित पर्यावरण संरक्षण अभियानों को निरंतर प्रोत्साहित कर रही है।

सीएम साय ने वन धन विकास केंद्र पंचक्की की महिला स्व-सहायता समूह को किया सम्मानित

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर-जशपुर

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सहकारिता के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए जशपुर जिले के वन धन विकास केंद्र, पंचक्की से जुड़े महिला स्व-सहायता समूह को सहकार प्रेरणा सम्मान से सम्मानित किया। यह सम्मान भारत सरकार के सहकारिता मंत्रालय के स्थापना के पाँच वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कृषि मंडपम में आयोजित राज्य स्तरीय सहकारी सम्मेलन एवं सहकारी सप्ताह कार्यक्रम में प्रदान किया गया।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने जशपुर के वन धन विकास केंद्र पंचक्की के अनंत स्व-सहायता समूह को उत्कृष्ट कार्यों के लिए सहकार प्रेरणा पुरस्कार एवं लाभांश राशि प्रदान कर सम्मानित किया। यह समूह वन विभाग के अंतर्गत संचालित वन धन विकास केंद्र से जुड़ा है। अनंत स्व-सहायता समूह

की 10 महिलाएं सामूहिक रूप से च्यवनप्राश सहित विभिन्न औषधीय उत्पादों का निर्माण करती हैं। समूह द्वारा उच्च गुणवत्ता वाले उत्पादों की आपूर्ति आयुष विभाग सहित अन्य संस्थानों एवं उपभोक्ताओं को की जाती है। वर्ष 2024-25 के दौरान समूह ने लगभग 36 लाख रुपये के उत्पादों का विक्रय कर महिला स्वावलंबन और ग्रामीण उद्यमिता का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया है।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में गठित सहकारिता मंत्रालय ने देश में शसहकार से समृद्धिश के लक्ष्य को नई गति दी है। राज्य सरकार सहकारिता के माध्यम से किसानों, वनवासियों, महिला स्व-सहायता समूहों और ग्रामीण परिवारों की आय बढ़ाने तथा उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार कृषि के साथ-साथ पशुपालन, दुग्ध उत्पादन, वनोपज, मत्स्य पालन और ग्रामीण उद्यमिता जैसे क्षेत्रों में भी सहकारिता को मजबूती प्रदान कर रही है। राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (एनडीडीबी) के सहयोग से प्रदेश में दुग्ध उत्पादन के क्षेत्र में सकारात्मक परिवर्तन देखने को मिल रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने बताया कि 29 जून से 6 जुलाई तक प्रदेश में सहकारिता सप्ताह के अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण में सहकारिता की महत्वपूर्ण भूमिका है। इसी उद्देश्य से प्रदेश में कोई भी पंचायत सहकारिता से वंचित न रहे, इसके लिए अब तक 1352 नई सहकारी समितियों का गठन किया जा चुका है।

महिला स्व-सहायता समूहों के विष्णु भोग चावल की खुशबू पहुंची पुलिस मुख्यालय तक

पुलिस महानिदेशक अरुण देव गौतम को भेंट किया गया जीपीएम की विशिष्ट पहचान विष्णु भोग चावल, महिलाओं के आत्मनिर्भरता मॉडल और स्थानीय उत्पाद की सराहना

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

गौरेला पेंड्रा मरवाही जिले के प्रवास पर पहुंचे पुलिस महानिदेशक अरुण देव गौतम का स्वागत स्थानीय पहचान और कृषि समृद्धि के प्रतीक विष्णु भोग चावल से किया गया। कलेक्टर डॉ. संतोष कुमार देवांगन ने उन्हें जिले की विशिष्ट पहचान माने जाने वाले विष्णु भोग चावल का पैकेट भेंट कर सम्मानित किया। यह चावल जिले में बिहान योजना के अंतर्गत महिला स्व-सहायता समूहों द्वारा तैयार किया जा रहा है, जो ग्रामीण महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण और आजीविका संवर्धन का सफल उदाहरण बनकर उभरा है।

इस अवसर पर कलेक्टर डॉ. संतोष कुमार देवांगन ने पुलिस महानिदेशक को विष्णु भोग चावल की विशेषताओं, उसकी गुणवत्ता तथा इसके

उत्पादन और विपणन में महिला स्व-सहायता समूहों की सक्रिय भागीदारी की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह पहल न केवल स्थानीय कृषि उत्पादों को नई पहचान दिला रही है, बल्कि ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाकर उनकी आय में भी वृद्धि कर रही है।

पुलिस महानिदेशक अरुण देव गौतम ने महिला स्व-सहायता समूहों द्वारा किए जा रहे इस सराहनीय प्रयास की प्रशंसा करते हुए कहा कि विष्णु भोग चावल केवल एक कृषि उत्पाद नहीं, बल्कि महिलाओं की मेहनत, आत्मनिर्भरता और ग्रामीण आजीविका सशक्तिकरण का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि ऐसे नवाचार और स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने से जिले की विशिष्ट पहचान राष्ट्रीय स्तर पर स्थापित होती है तथा स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी नई मजबूती मिलती है।

उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि महिला समूहों द्वारा गुणवत्ता और परंपरा के साथ तैयार किए जा रहे ऐसे उत्पाद भविष्य में प्रदेश ही नहीं, बल्कि देशभर में अपनी अलग पहचान बनाएंगे। स्थानीय उत्पादों को प्रोत्साहन मिलने से किसानों और महिला समूहों को बेहतर बाजार उपलब्ध होगा, जिससे ग्रामीण विकास को भी गति मिलेगी। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार खिलारी तथा जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मुकेश रावटे सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे।

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई नगर, तहसील व जिला दुर्ग

-:: व्यक्तिगत सूचना ::-

(रा.प्र.क्र./202501101000087/अ-5/वर्ष 2025-26)

प्रति,
01. जगेश्वर प्रसाद गुप्ता पिता बद्री प्रसाद गुप्ता निवासी दुर्ग तह. व जिला दुर्ग (छ.ग.)
पक्षकार -कृतिका भल्ला पिता आर.एस. भल्ला निवासी -शांति नगर वार्ड नं. 11, सुपेला भिलाई
विरूद्ध
अनावेदक-छ.ग. शासन

आपको सूचित किया जाता है इस न्यायालय के रा.प्र.क्रं. 202501101000087/ ब-121/वर्ष 2025-26 में आवेदक : कृतिका भल्ला पिता/पति/विभाग-आर.एस. भल्ला पता-सुपेला भिलाई द्रावारा ग्राम-कोहका प.ह.नं.45 रा.नि.म. कोहका तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि पुराना ख.न 509/2 का टू. नया खसरा नं. 5296/1 रकबा 0.024 हे. भूमि को आवेदक के माता द्वारा क्रय कर नामान्तरण कराकर रिनपुस्तिका प्राप्त कर काबिज है भूमिस्वामी आवेदक के माता की मृत्यु हो जाने के कारन मृतक का नाम विलोपित कर विधिक वारिसानो का नाम दर्ज किये जाने बाबत आवेदन पत्र मय खसरा बी.1, मृत्यु प्रमाण पत्र की छाया की प्रति प्रस्तुत किया है!

अतः उपरोक्त भूमि के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति या उजर दावा हो तो सुनवाई तिथि दिनांक 20/07/2026 तक या उसके पूर्व स्वयं या अपने मान्य अधिवक्तागण के साथ उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त आवेदन पत्र पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज 30/06/2026 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुहर से जारी किया गया है।

अतिरिक्त तहसीलदार
उप तहसील भिलाई नगर (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार भिलाई नगर, तहसील व जिला दुर्ग

-:: ईश्तहार ::-

रा.प्र.क्रं. 202606101000121 अ-6 अ वर्ष 2020-26

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक कमलेश कुमार आ. राजू चौधरी निवासी भिलाई द्वारा ग्राम कोहका प.ह.नं. 45 रा.नि.मं. कोहका तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि 7277/8 रकबा 0.02हे. भूमि में हुये त्रुटि को सुधार किये जाने हेतु इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त संबंध में पर जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति या उजर दावा हो तो सुनवाई तिथि दिनांक 08.07.2028 तक या उसके पूर्व स्वयं या अपने मान्य अधिवक्तागण के साथ उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त आवेदन पत्र पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 04.06.2026 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुहर से जारी किया गया है।

अतिरिक्त तहसीलदार
भिलाई नगर

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई के न्यायालय मे मामला क्रमांक : 202607101000002

विषय:- अ-6 अ
मामले की श्रेणी:- राजस्व
सन:- 2025-2026
कुरूद प.ह.नं. 00046 [(हे0)]
पक्षकारों का विवरण-आवेदक पक्षकार - शाहनवाज अली,
अनावेदक पक्षकार -

ईश्तहार

आवेदक - शाहनवाज अली पिता/पति/विभाग अली अख्तर पता-जवाहर नगर भिलाई द्वारा ग्राम कुरूद प.ह.नं. 46 रा.नि.मं. कोहका, तहसील व जिला-दुर्ग की भूमि ख.नं. 1023/1 रकबा 0.015 हे. विक्रेता आशा श्रीवास्तव पिता स्व. राजाराम श्रीवास्तव से क्रय किया गया था। क्रय पश्चात खरीद हक से नया खसरा न. 1023/3 रकबा 0.015 है./ 1560 वर्गफीट भूमि ऋण पूस्तिका में आवेदक का नाम दर्ज है। उक्त भूमि वर्तमान पटवारी अभिलेख में आवेदक के स्थान पर..... प्रदर्शित हो रहा है। जिसे त्रुटी सुधार किये जाने हेतु न्यायालय में आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है!

अतएव इस संबंध में किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो तो वह नियत पेशी दिनांक 15/07/2026 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते है। समयवधि पश्चात आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नही किया जावेगा

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 01/07/2026 को जारी किया जाता है।

DIKESHWAR SAHU
अतिरिक्त तहसीलदार
भिलाई नगर

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई नगर, तहसील व जिला दुर्ग

-:: ईश्तहार ::-

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि इस न्यायालय का रा.प्र.क्रं. /अ-6/वर्ष 2025-26 में आवेदिका/आवेदक - सुनील कुमार पांडेय आ. ध.प..केदारनाथ पांडेय निवासी-जोन-2, खुर्सीपार, भिलाई तह. दुर्ग व जिला दुर्ग द्वारा ग्राम - कुरुद प.ह.नं. 46 रा.नि.मं. कोहका व जिला दुर्ग स्थित भूमि स्वामी हक की भूमि खसरा नं. 1574/180 रकबा 0.010 हे. 15 वर्गफीट हे. है। जो भूमि स्वामी बुलबुली देवाी ध.प. स्व. केदारनाथ पांडेय के नाम पर नाम पर दर्ज है। जिसमें भूमिस्वामी की मृत्यु दिनांक ...को फौत हो जाने के कारण मृतक का नाम खाते से विलोपित कर उसके वैघ वारिसानो का नाम दर्ज किये जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतः उपरोक्त भूमि फौती नामांतरण किये जाने पर जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति या उजर दावा हो तो सुनवाई तिथि दिनांक 15/07/2026 तक या उसके पूर्व स्वयं या अपने मान्य अधिवक्तागण के साथ उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त आवेदन पत्र पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 01/07/2026 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुहर से जारी किया गया है।

अतिरिक्त तहसीलदार
भिलाई नगर

संपादकीय

संघ ने भी कह दिया कड़ी सजा मिलनी चाहिए

अयोध्या के रामलला के मंदिर में चढ़ावा चोरी मामले में आए दिन नए नए खुलासे हो रहे हैं। कई तरह के आरोप लगाए जा रहे हैं, राजनीतिक कलों के बीच राजनीति के लिए होड़ लगी हुई है कि कौन भाजपा, आरएसएस पर कैसे आरोप लगा सकता है कोई कह रहा है कि भाजपा व आरएसएस के लोग चुप क्यों हैं, वह कुछ कह क्यों नही रहे हैं। कोई इसके लिए ट्रस्ट के लोगों को दोषी बता रहा है तो कोई इसके लिए बैंक वालों को दोषी बता रहा है। सब अपने आपको इस मामले में पाक साफ बताने का प्रयास कर रहे है,दूसरे को दोषी बताने का प्रयास कर रहे हैं। मंदिर के चढ़ावे की चोरी तो हुई है,यह सच है,इससे कोई इंकार नहीं कर सकता लेकिन चोरी को लेकर कोई पुख्ता आंकड़ा सामने नही आने के कारण जिसके मुंह जितना आता है, बताता है कि इतने करोड़ की चोरी हुई है। चोरी को हिंदू समाज के लोगों पर बुरा प्रभाव पड़ा है, हिंदू समाज नाराज है कि राम मंदिर में ऐसा कैसे हो गया। इसे रोकने का प्रयास क्यों नहीं किया गया।सब इंतजार कर रहे हैं कि एसआईटी की क्या रिपोर्ट आती है उसके बाद इस मामले मे दोषी लोगों पर क्या कार्रवाई की जाती है,जब तक कार्रवाई नहीं होती तब तक भाजपा व संघ विरोधी लोग तो राजनीति करते रहेंगे, कई तरह के बयान देते रहेंगे।

राम मंदिर चढ़ावे की चोरी के मामले में सब इंतजार कर रहे थे, आरएसएस की तरफ क्या कहा जाता है। अब आरएसएस की तरफ से बयान आ गया है। संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबोले ने बयान जारी किया है कि चढ़ावा चोरी मामले में जो भी दोषी पाया जाए,उन्हें कड़ी सजा मिलनी चाहिए। लेकिन इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना को हथियार बनाकर हिंदुओं को बदनाम करने की राष्ट्रविरोधी ताकतों की साजिश का नाकाम किया जाना चाहिए इस कठिन समय में हिंदू समाज को धैर्य व संयम का परिचय देना होगा। होसबोले ने कहा है कि दानपात्रों की राशि चोरी की घटना से समूचे समाज व रामभक्तों की भावना व आस्था को ठेस पहुंची है इसलिए यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि जांच में जो भी दोषी मिले उसे कठोर दंड मिले। यानी संघ इस मामले में किसी को बचाने के पक्ष मे तो नहीं है,साथ ही संघ की तरफ से कहा गयाहै कि जांच में ट्रस्ट के संचालन में जो भी कमी खामी पाई गई है, उसे दूर किया जाना चाहिए और मंदिर संचालन की ऐसी व्यवस्था बनाई जानी चाहिए कि फिर चढ़ावा चोरी जैसी घटना न हो।

चढ़ावा चोरी मामले में अखिलेश ने केजरीवाल तक को मौका मिल गया है, राममंदिर के चढ़ावा चोरी मामले में राजनीति करने का। अखिलेश तो जांच पर सवालिया निशान लगाते रहे हैं उनका कहना है कि एसआईटी की जगह किसी रिटायर जज से इस मामले की जांच होनी चाहिए। इसका मतलब साफ है कि एसआईडी का जांच रिपोर्ट आने के बाद भी सपा इस मामले को यूपी में बड़ा मुद्दा बनाए रखना चाहती है और चुनाव में इसका राजनीतिक लाभ उठाना चाहती है। केजरीवाल जो अब तक कट्टर ईमानदार खुद को कहते थे अब हिंदी बेल्ट में फिर से अपने जनाधार को मजबूत करने के लिए राम लला के दर्शन के बाद खुद को सच्चा सनातनी और अपनी पार्टी को सच्ची सनातनी पार्टी घोषित कर चुके हैं और जिन लोगों ने राम लला का दर्शन नहीं किया है,उनको असनातनी घोषित कर रहे हैं। केजरीवाल राममंदिर चढ़ावे की चोरी के मामले जो कोई नहीं कह रहा है वह कह रहे हैं, उनका कहना है कि पीएम मोदी चंदा चोरी के मामले के असली गुनहगारों को बचा रहे हैं। पूरा घटनाक्रम को यही दिखाता है कि मोदीजी मामले को रफादफा करने और दोषी लोगों को बचाने में लगे हैं।

राम मंदिर चढ़ावे की चोरी तो हुई है,इसे सब मान रहे हैं, लेकिन इसके दोषी कौन है, इसे लेकर कई तरह की बातें सामने आ रही हैं। ट्रस्ट वाले इसके लिए बैंक को दोषी बताने का प्रयास कर रहे हैं तो बैंक वाले इसके लिए खुद को दोषी नहीं मानते हैं। ट्रस्ट के कार्यालय प्रभारी प्रकाश गुप्ता का कहना है कि दान की रकम की गिनती ट्रस्ट के कर्मचारियों के द्वारा नहीं बल्कि बैंक की ओर से नियुक्त आडटसोर्स एजेंसी के माध्यम से की जाती थी,ऐसे में यदि किसी तरह की गड़बड़ी हुई है तो उसकी जिम्मेदारी ट्रस्ट की नहीं बैंक व उसकी व्यवस्था की बनती है। गुप्ता का साफ कहना है कि ट्रस्ट व एसबीआई के बीच इस काम को लेकर एक समझौता था, इस समझौते के तहत बैंक की टीम या उससे जुड़ी एजेंसी के कर्मचारियों को काउंटिंग के लिए भेजता था, उस वक्त ट्रस्ट की तरफ से केवल एक प्रतिनिधि निगरानी के लिए मौजूद रहता था। इसलिए जो गड़बड़ी हुई वह बैंक की प्रक्रिया के कारण हुई ने कि ट्रस्ट के संचालन के कारण हुई है।

यूपी के सीएम योगी ने एसआईटी का गठन जांच के लिए किया है। उसकी अंतिम रिपोर्ट तक योगी ने लोगों से धैर्य रखने को कहा है। लोग इंतजार कर रहे हैं कि रिपोर्ट कब आएगी और कितने दोषी लोगों को क्या सजा मिलेगी। लोग चाहते हैं कि राम मंदिर में चढ़ावा चोरी करने वालों को ऐसी सजा मिलनी चाहिए कि फिर कोई राममंदिर में ऐसी गलती करने की हिम्मत न करे लोगों में इस बात को लेकर भी नाराजगी है कि ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय व सदस्य डॉ. अनिल कुमार मिश्र को ट्रस्ट से हटाया क्यों नहीं गया। उन्होंने इस्तीफा भी देरी से दिया है। लोगों को इस बारे में मालूम नहीं है इसलिए ऐसा कह रहे हैं। हकीकत मे ट्रस्ट में नियम ही ऐसा है कि कोई भी सदस्य ट्रस्ट से बाहर दो तरीके से किया जा सकता है एक तरीका यह है कि वह सदस्य पद से एक माह का नोटिस देकर इस्तीफा दे दे नोटिस की अंतिम तिथि के बाद वह सदस्यता से मुक्त माना जाएगा। दूसरा तरीका यह है कि ट्रस्ट के 15 सदस्यों में से दो तिहाई बहुमत से किसी ट्रस्टी की सदस्यता खत्म कर दी जाए चंपत राय व अनिल मिश्र ने पदाधिकारी के रूप मे इस्तीफा दे दिया है लेकिन वह ट्रस्ट के सदस्य तो है। उसका फैसला आने वाले दिनों में हो सकता है।

पीएम मोदी ने 12 वर्षों में राजस्थान को दी कई सौगातें

गोपेन्द्र नाथ भट्ट

विश्व की सबसे प्राचीन अरावली पर्वत श्रृंखलाओं से राजस्थान को एक सीधी लाइन से दो भागों में प्राकृतिक रूप से विभाजित करने वाले तथा भौगोलिक दृष्टि से देश के सबसे बड़े प्रदेश राजस्थान की अपनी कई विषम भौगोलिक परिस्थितियां, देश के पश्चिमी क्षेत्र की पाकिस्तान से सटी सबसे बड़ी सीमाओं तथा एशिया के सबसे बड़े थार रेगिस्तान के बड़े भू-भाग के प्रदेश में होने के कारण देश के अन्य प्रदेशों की तुलना में विकास की अधिक लागत आने तथा सतही एवं भूगिगत पानी की भारी कमी तथा उपलब्ध जल की कमजोर गुणवत्ता, वर्षा पर निर्भर खेती, प्रायः सूखा एवं अकाल का सामना करने,आदिवासी और पहाड़ी क्षेत्रों की विभिन्न समस्याओं और घुमंतू जातियों एवं बड़ी आबादी के रोजगार के लिए पड़ौसी प्रदेशों और अन्यत्र पलायन आदि समस्याओं के कारण राजस्थान आजादी के बाद से ही अपने सर्वांगीण विकास के लिए जूझता रहा है। विशेष कर रेगिस्तान प्रधान पश्चिमी राजस्थान में विकास का सपना किसी अग्नि परीक्षा से कम नहीं रहा है लेकिन पहले विश्व की सबसे बड़ी राजस्थान नहर परियोजना के आने से कृषि और सिंचाई के क्षेत्र में क्रांतिकारी परिवर्तनों के साथ ही औद्योगिक दृष्टि से इसकी तकदीर बदली है और कालांतर में इस अंचल में प्राकृतिक तेल,गैस और जल के अथाह भंडार मिलने के साथ ही सोलर एनर्जी की अनंत संभावनाओं से तथा अब बालोतरा जिले के पचपदरा में तेल रिफाइनरी और पेट्रो कॉम्प्लेक्स आने से राजस्थान के सुनहरे भविष्य की उम्मीदें परवान पर चढ़ती दिखाई दे रही है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शनिवार चार जुलाई को पचपदरा में 79 हजार करोड़ रु की तेल रिफाइनरी और पेट्रो कॉम्प्लेक्स महत्वाकांक्षी परियोजना के साथ ही जोधपुर के नवनिर्मित सिविल एयरपोर्ट का उद्घाटन और राजधानी जयपुर में 13,000 करोड़ की लागत से बनने वाली मेट्रो परियोजना फेज -2 का वर्चुअल शिलान्यास करेंगे। आधुनिक भारत के युग पुरुष माने जाने वाले प्रधानमंत्री मोदी के राजस्थान आने पर प्रदेशवासियों में भारी उत्साह है और पधारो म्हारे देस के उद्घोष से रेगिस्तान के धोरे उछाल मारते हुए कह रहें है कि पधारो म्हारे देस युग पुरुष हुं अभी मन भरा नहीं !! विकास पुरुष मोदी जी आपने पिछले एक दशक से भी अधिक समय में राजस्थान को विकास के कई उपहार दिए है और आपके दल की केन्द्र और राज्य की डबल इंजन सरकार राजस्थान में नित नए आयाम भी जोड़ रही है फिर भी विशाल राजस्थान की आठ करोड़ जनता आपसे राजस्थान को पानी और हेरिटेज पर्यटन की दृष्टि से विशेष राज्य का दर्जा प्रदान करने की दरकार के साथ ही राजस्थानी भाषा को संवैधानिक दर्जा देने की गुहार भी कर रही है।

सबका साथ और सबका विकासहुं की भावना और विकसित भारत @ 2047 के लक्ष्यों को प्राप्त करने की दृष्टि से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में वर्ष 2014 से लेकर 2026 तक पिछले 12 वर्षों में राजस्थान को आधारभूत ढांचे, परिवहन, ऊर्जा, स्वास्थ्य और औद्योगिक विकास के क्षेत्र में अनेक महत्वपूर्ण परियोजनाओं की सौगात मिली है और अब डबल इंजन सरकार का अतिरिक्त लाभ भी मिल रहा है।जिसका ताजा उदाहरण प्रदेश के शेखावाटी अंचल की प्यास बुझाने वाला यमुना जल समझौता है। साथ ही पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना ईआरसीपी पुनर्गठित रामसेतु परियोजना भी मूर्त रूप ले रही है इन परियोजनाओं से न केवल राज्य की विकास यात्रा को नई गति मिली है, बल्कि राजस्थान देश के पर्यटन, औद्योगिक और ऊर्जा मानचित्र पर और अधिक मजबूती के साथ उभरा है और राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्विगुणित ऊर्जा से भरे दिखाई दे रहे हैं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के पिछले बारह वर्षों का आकलन करें तो राजस्थान उन राज्यों में शामिल है, जहाँ आधारभूत ढाँचे, औद्योगिक निवेश, ऊर्जा, परिवहन, स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में अनेक महत्वाकांक्षी परियोजनाओं को गति मिली है। भौगोलिक दृष्टि से देश का सबसे बड़ा राज्य होने के कारण राजस्थान की विकास आवश्यकताएँ भी बहुत अधिक एवं व्यापक हैं। केंद्र की मोदी सरकार ने इन्हें ध्यान में रखते हुए कई ऐसी परियोजनाओं को स्वीकृति और गति दी है, जिसने राज्य के आर्थिक परिदृश्य को बदलने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।इन उपलब्धियों में सबसे बड़ी पहचान पचपदरा में स्थापित एचपीसीएल राजस्थान रिफाइनरी एवं पेट्रोकेमिकल कॉम्प्लेक्स है। लगभग 79 हजार करोड़ रुपये की लागत वाली यह महत्वाकांक्षी परियोजना स्वतंत्र भारत में राजस्थान के सबसे बड़े औद्योगिक निवेशों में गिनी जाती है। यह रिफाइनरी केवल पेट्रोलियम उत्पादों के उत्पादन तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके साथ विकसित होने वाला पेट्रोकेमिकल उद्योग पश्चिमी राजस्थान में औद्योगिक क्रांति का आधार बनेगा ऐसी उम्मीद है। इससे हजारों युवाओं को प्रत्यक्ष रोजगार तथा लाखों लोगों को अप्रत्यक्ष रोजगार मिलने की संभावना है। स्थानीय उद्योग, परिवहन, व्यापार और सेवा क्षेत्र को भी इसका व्यापक लाभ मिलेगा। पूरा इलाका भारत का दुबई बनेगा। यह कहना भी अतिशयोक्ति नहीं होगा।

परिवहन अवसंरचना के क्षेत्र में भी राजस्थान ने उल्लेखनीय उपलब्धियाँ हासिल की हैं। भारत माला परियोजना, दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे तथा राष्ट्रीय राजमार्गों के विस्तार ने राज्य के अनेक जिलों को आधुनिक सड़क नेटवर्क से जोड़ा है। सीमावर्ती क्षेत्रों तक बेहतर सड़क संपर्क राष्ट्रीय सुरक्षा के साथ-साथ पर्यटन और व्यापार के लिए भी लाभकारी सिद्ध हुआ है। बेहतर सड़कें निवेशकों का विश्वास बढ़ाती हैं और आर्थिक गतिविधियों को नई गति देती हैं।

रेलवे क्षेत्र में भी व्यापक परिवर्तन देखने को मिले हैं। अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत जयपुर, अजमेर, बीकानेर, उदयपुर, अलवर सहित अनेक रेलवे स्टेशनों का आधुनिकीकरण किया जा रहा है। रेल लाइनों का विद्युतीकरण, दोहरीकरण तथा नई रेल सेवाओं के विस्तार से यात्रियों की सुविधा बढ़ी है और दिल्ली मुम्बई फ्रेट औद्योगिक रेल कॉरिडोर से माल परिवहन अधिक तेज एवं किफायती हुआ है। इससे उद्योगों और कृषि क्षेत्र को भी अप्रत्यक्ष लाभ मिला है।

राजस्थान आज देश की अक्षय ऊर्जा राजधानी बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। जैसलमेर, बीकानेर, जोधपुर और फलोदी जैसे क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर सौर एवं पवन ऊर्जा परियोजनाएँ स्थापित हुई हैं। केंद्र सरकार की नीतियों ने निजी निवेश को आकर्षित किया है, जिसके परिणामस्वरूप राजस्थान स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन का प्रमुख केंद्र बनकर उभर रहा है। यह न केवल पर्यावरण संरक्षण बल्कि देश की ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम है। स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में एम्स जोधपुर का विस्तार, नए मेडिकल कॉलेजों और नर्सिंग संस्थानों की स्थापना तथा स्वास्थ्य अवसंरचना के सुदृढ़ीकरण से प्रदेश के लोगों को बेहतर चिकित्सा सुविधाएँ उपलब्ध हो रही हैं। शिक्षा के क्षेत्र में आई आईटी जोधपुर जैसे संस्थानों का विस्तार उच्च शिक्षा और अनुसंधान को नई दिशा दे रहा है।

जल प्रबंधन राजस्थान की सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक रहा है। केंद्र के सहयोग से पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना ईआरसीपी पुनर्गठित रामसेतु परियोजना तथा अन्य विभिन्न सिंचाई और पेयजल परियोजनाओं को गति मिली है। जल जीवन मिशन के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में नल से जल पहुँचाने का अभियान तेज हुआ है। साथ ही, सिंचाई परियोजनाओं के विस्तार से कृषि क्षेत्र को भी मजबूती मिलने की उम्मीद है।

सामाजिक कल्याण की दृष्टि से प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्ज्वला योजना, आयुष्मान भारत, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, स्वच्छ भारत मिशन और प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना जैसी योजनाओं का लाभ राजस्थान के करोड़ों नागरिकों तक पहुँचा है। इन योजनाओं ने गरीब, किसान, महिलाओं और ग्रामीण परिवारों के जीवन स्तर में सकारात्मक बदलाव लाने का प्रयास किया है। हालाँकि किसी भी सरकार की उपलब्धियों का मूल्यांकन केवल घोषणाओं से नहीं, बल्कि उनके प्रभावी क्रियान्वयन और आम नागरिक तक पहुँचने वाले लाभों से होता है। राजस्थान में कुछ परियोजनाएँ अभी भी निर्माणाधीन हैं और कई योजनाओं के पूर्ण परिणाम आने वाले वर्षों में सामने आएँगे। इसके बावजूद यह कहा जा सकता है कि पिछले बारह वर्षों में राजस्थान में आधारभूत ढाँचे और औद्योगिक विकास की मजबूत नींव रखी गई है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कार्यकाल में राजस्थान को मिली बड़ी परियोजनाएँ केवल वर्तमान की आवश्यकताओं को पूरा करने तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वे राज्य के दीर्घकालिक आर्थिक विकास, रोजगार सृजन और औद्योगिक आत्मनिर्भरता का आधार भी बन सकती हैं। यदि इन योजनाओं का समयबद्ध क्रियान्वयन और प्रभावी संचालन सुनिश्चित होता है, तो आने वाले वर्षों में राजस्थान देश की सबसे तेजी से विकसित होने वाली अर्थव्यवस्थाओं में अपना स्थान और अधिक मजबूत कर सकता है। यही इन बारह वर्षों की सबसे बड़ी उपलब्धि मानी जा सकती है।

राजस्थान कृतज्ञ है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी राजस्थान के अपने पड़ौसी प्रदेश गुजरात के होने का पड़ौसी धर्म बखूबी निभा रहें है।

पंजाब के बड़े राजनैतिक दलों में अस्थिरता का दौर

अजय कुमार

पंजाब विधान सभा चुनाव की आहट ने प्रदेश का सियासी पारा काफी बढ़ा दिया है एक तरफ सभी दल चुनाव की तैयारियों में लगे है तो दूसरी तरफ कुछ माह पूर्व आम आदमी पार्टी में टूट के बाद अब पंजाब कांग्रेस के नये अध्यक्ष के नाम की घोषणा के बाद जिस तरह से पार्टी में कलह मची हुई है, वह कई सवाल खड़े कर रहा है,लेकिन यह सवाल किसी नीतिगत बहस या विकास के एजेंडे को लेकर नहीं, बल्कि दो प्रमुख दलों कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के भीतर मची भारी उथल-पुथल को लेकर है। राज्य की सत्ता की सीढ़ियां चढ़ने के लिए जहां कांग्रेस और आप को अपनी संगठनात्मक एकता प्रदर्शित करनी चाहिए थी, वहां ये दल अंदरूनी कलह, असंतोष और बगावत के भंवर में फंसते नजर आ रहे हैं। पंजाब की राजनीति के इतिहास में शायद ही ऐसा कोई दौर रहा हो, जहां प्रमुख विपक्षी दलों के भीतर इतना अधिक अविश्वास और बिखराव देखने को मिला हो, जैसा कि वर्तमान में दिखाई दे रहा है।

कांग्रेस पार्टी के भीतर हालिया संगठनात्मक बदलावों ने आग में घी डालने का काम किया है। अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग को पंजाब प्रदेश कांग्रेस कमेटी (पीपीसीसी) के अध्यक्ष पद पर बरकरार रखने का आलाकमान का निर्णय पार्टी के एक बड़े धड़े को रास नहीं आया है। इस निर्णय से नाराज पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी का मोरिंडा स्थित आवास पर किया गया शक्ति प्रदर्शन केवल एक विरोध नहीं, बल्कि पार्टी नेतृत्व के खिलाफ खुला विद्रोह है। चन्नी का यह कदम दर्शाता है कि कांग्रेस के भीतर सत्ता के अलग-अलग केंद्र बन चुके हैं, जो आपस में तालमेल बिठाने के बजाय एक-दूसरे को नीचा दिखाने में अधिक रुचि रखते हैं। जब एक पूर्व मुख्यमंत्री और दलित चेहरा माने जाने वाले नेतृत्व के फैसलों पर सार्वजनिक रूप से सवाल उठाते हैं, तो इसका सीधा असर जमीनी स्तर के कार्यकर्ताओं के मनोबल पर पड़ता है। यह कलह ऐसे समय में सामने आई है जब पार्टी को एकजुट होकर चुनाव की रणनीति बनानी चाहिए थी, लेकिन अब नेतृत्व का पूरा ध्यान अपने ही नेताओं को मनाने और पार्टी में फूट को रोकने पर केंद्रित हो गया है।

इसी बीच, कांग्रेस सांसद सुखजिंदर सिंह रंधावा की केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से हुई मुलाकात ने पंजाब के सियासी गलियारों में अटकलों का बाजार गर्म कर दिया है। रंधावा ने इसे व्यक्तिगत या गैर-राजनीतिक मुलाकात करार दिया है, लेकिन राजनीति में गैर-राजनीतिक कुछ भी नहीं होता, विशेषकर चुनाव से ठीक पहले। भाजपा के शीर्ष नेतृत्व के साथ कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं की ऐसी मेल-मुलाकातें अक्सर दल-बदल की पटकथा की ओर इशारा करती हैं। रंधावा का यह कदम न केवल पार्टी नेतृत्व के लिए एक संकेत है, बल्कि कार्यकर्ताओं के बीच भ्रम और संदेह भी पैदा करता है। कांग्रेस पहले से ही पंजाब में अपनी खोई हुई जमीन वापस पाने के लिए जूझ रही है, और ऐसी घटनाओं से यह संदेश जा रहा है कि पार्टी के भीतर निष्ठा का संकट गहराता जा रहा है। दूसरी ओर, आम आदमी पार्टी की स्थिति भी इससे भिन्न नहीं है। कुछ माह पूर्व आम आदमी पार्टी के भीतर जो बिखराव देखने को मिला, वह पार्टी के लिए किसी बड़े झटके से कम नहीं था। राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा सहित आठ सांसदों का भाजपा में शामिल होना न केवल पार्टी के संख्याबल को कम करने वाला था, बल्कि यह पार्टी की विचारधारा और नेतृत्व क्षमता पर भी गंभीर प्रश्नचिह्न लगा गया। एक ऐसी पार्टी, जिसने भ्रष्टाचार के विरोध और विकल्प के तौर पर अपनी पहचान बनाई थी, उसके भीतर ही जब इतने बड़े पैमाने पर दल-बदल होता है, तो जनता के बीच यह संदेश जाता है कि पार्टी का केंद्रीय नेतृत्व अपने कुनबे को एकजुट रखने में विफल रहा है। भाजपा का यह रणनीतिक कौशल कहा जाएगा कि वह कांग्रेस और आम आदमी पार्टी दोनों ही दलों के असंतुष्ट नेताओं के लिए एक सुरक्षित ठिकाने के रूप में उभर रही है।

उधर, राजनीतिक विश्लेषकों का एक बड़ा वर्ग इस पूरी स्थिति को भाजपा की सोची-समझी सियासी चाल के रूप में देख रहा है। पंजाब में भाजपा का आधार हमेशा से सीमित रहा है, लेकिन कांग्रेस और आप के भीतर हो रही इस टूट-फूट का लाभ सीधे तौर पर भाजपा को मिल सकता है। भाजपा की रणनीति स्पष्ट है, वह विपक्षी दलों के असंतुष्ट नेताओं को अपनी ओर आकर्षित करके न केवल उन दलों को कमजोर कर रही है, बल्कि खुद को पंजाब में एक मजबूत और विश्वसनीय विकल्प के रूप में स्थापित करने की कोशिश कर रही है। जिन नेताओं को लगता है कि उन्हें उनकी वर्तमान पार्टियों में उचित सम्मान या पद नहीं मिल रहा है, वे भाजपा की ओर रुख कर रहे हैं। इससे विपक्ष का वोट बैंक बिखरता है और सत्ता विरोधी लहर का लाभ उठाने का अवसर भाजपा के पास बढ़ जाता है पंजाब की यह वर्तमान स्थिति इस बात का प्रमाण है कि दलगत निष्ठाएं अब पहले जैसी नहीं रहीं। आज का नेता अपनी राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं और भविष्य की सुरक्षा को पार्टी के प्रति अपनी निष्ठा से ऊपर रख रहा है। जब शीर्ष नेतृत्व अपने नेताओं की आकांक्षाओं को साधने में विफल रहता है, तो उसका परिणाम बगावत के रूप में ही सामने आता है। कांग्रेस और आप दोनों ही दल इस समय नेतृत्व के संकट से जूझ रहे हैं।

जहाँ कांग्रेस में एक मजबूत और स्वीकार्य चेहरे का अभाव है जो सभी गुटों को साथ लेकर चल सके, वहीं आम आदमी पार्टी के भीतर आंतरिक लोकतंत्र और संवाद की कमी साफ दिख रही है। चुनाव की उल्टी गिनती शुरू हो चुकी है। पंजाब की जनता को एक स्थिर और विकासोन्मुखी सरकार की आवश्यकता है, लेकिन पार्टियों का पूरा ध्यान केवल सत्ता के गणित को दुरुस्त करने और अपने घर को बचाने पर लगा है। कांग्रेस की आपसी कलह, रंधावा की संदिग्ध मुलाकातें और आप में हुई सेंधमारी यह स्पष्ट करती है कि पंजाब में अगले कुछ महीने बेहद अस्थिर रहने वाले हैं। जो पार्टी इन आंतरिक विरोधाभासों को जल्द से जल्द सुलझा लेगी और जनता के बीच एकजुटता का संदेश दे पाएगी, वही आगामी विधानसभा चुनाव में बाजी मार सकती है। लेकिन फिलहाल, कांग्रेस और आप दोनों ही दल खुद को संभालने के बजाय एक-दूसरे की कमजोरियों का तमाशा देखने और भाजपा द्वारा रची जा रही सियासी बिसात का शिकार होने की ओर अग्रसर दिख रहे हैं। आने वाला समय ही बताएगा कि क्या ये दल संभल पाएंगे या फिर यह आंतरिक कलह उनके लिए चुनावी हार का मुख्य कारण बनेगी।

तीजन बाई : संघर्ष व साधना की मिसाल

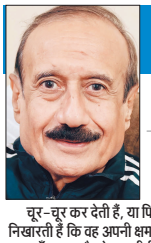

शिक्षाविद-डॉ. देवेन्द्रनाथ शर्मा

बदतर जीवन-परिस्थितियाँ मनुष्य को या तो चूर-चूर कर देती हैं, या फिर उसे इतना निखारती हैं कि वह अपनी क्षमता के चरमोत्कर्ष पर पहुँच जाता है। बेहद गरीबी और अभावों से घिरे पारधी परिवार में जन्मी तीजन बाई का जीवन इसी सत्य का प्रतीक है। मात्र 13 वर्ष की आयु में पंडवानी सीखने की जिद के कारण घर से निकाल दी गई तीजन ने कठोर संघर्ष, अथक साधना और अटूट जुनून के बल पर पंडवानी लोक कला को उसके शिखर पर पहुँचा दिया।

कभी स्कूल का मुँह न देख पाई तीजन ने भीख माँगकर और मजदूरी करके जीवन-यापन करते हुए अपनी प्रतिभा से पंडवानी का परचम देश-विदेश में फहराया। महाभारत की कथाओं को अपनी अनुपम आवाज, भावपूर्ण अभिनय और तानपूरे के साथ जीवंत करने वाली तीजन बाई पंडवानी की पहली प्रमुख महिला कलाकार हैं। 2019 में 'पद्म विभूषण' से सम्मानित तीजन की जीवन-गाथा संघर्ष, समर्पण और सांस्कृतिक संरक्षण की अनमोल मिसाल है। उनकी कला ने न केवल छत्तीसगढ़ की लोक-परंपरा को वैश्विक पहचान दिलाई, बल्कि पुरुष-प्रधान कला क्षेत्र में महिलाओं के लिए मार्ग भी प्रशस्त किया।

प्रारंभिक जीवन

तीजन बाई का जन्म दुर्ग जिले के पाटन तहसील के ग्राम अटारी (गनियारी) में एक अत्यंत गरीब पारधी परिवार में हुआ। पारधी अर्ध-घुमक्कड़ जनजाति है, जिसकी जीविका परंपरागत रूप से शिकार पर निर्भर थी। शिकार पर पाबंदी लगने के बाद पिता झुमुक लाल को पक्षियों का शिकार करना छोड़ना पड़ा। माँ सुखबती छींद के पत्तों से चटाई, झाड़ू व टोकरी बनाकर गांवों के हाट-बाजार में बेचती थीं। परिवार का गुजारा मुश्किल से होता था। कुछ समय बाद वे दुर्ग आकर रेलवे स्टेशन के पास झोपड़ी बनाकर रहने लगे। वहाँ तीजन माँ का हाथ बंटातीं और छोटे भाई-बहनों की देखभाल करतीं। बाद में परिवार गनियारी लौट आया और नाना की झोपड़ी के पास अपनी झोपड़ी बनाकर रहने लगा।

पंडवानी के प्रति समर्पण

बचपन से ही तीजन पंडवानी सीखना चाहती थीं, किंतु माँ को यह बिल्कुल पसंद नहीं था। उनकी जिद के कारण माँ अक्सर उन्हें पीटतीं और अंततः 13 वर्ष की उम्र में गुस्से में तीजन को घर से निकाल दिया। इसके बाद उनका संघर्ष और कठिन हो गया।

तीजन की तीन शादियाँ हुईं। पहली शादी 11 वर्ष की उम्र में हुई, पर पति ने पंडवानी गाने के कारण गौना कर ले जाने से इनकार कर दिया। दूसरे पति ने पंडवानी छोड़ने को कहा, लेकिन इनकार करने पर उन्होंने भी तीजन का साथ छोड़ दिया। तीसरे पति ने तो पंडवानी के साथ उन्हें स्वीकार तो किया, किंतु पारिवारिक विवाद के कारण उन्होंने भी तीजन को तलाक दे दिया। हिम्मत न हारते हुए तीजन छह माह के शिशु को साथ लेकर गांवों में पंडवानी गाने निकल पड़ीं 'उनकी यात्रा बिना रुके जारी रही' धीरे-धीरे वे छत्तीसगढ़ की जनता की बेहद लोकप्रिय पंडवानी गायिका बन गईं।

सम्मान और उपलब्धियाँ

तीजन बाई को पंडवानी के क्षेत्र में उनके द्वारा की गई उल्लेखनीय साधना के लिए 1988 में 'पद्म श्री' सम्मान से नवाजा गया' 1995 में संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार मिला' 2003 में भारत सरकार ने उन्हें 'पद्म भूषण' सम्मान से नवाजा' 2018 में जापान के फुकुओका अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार से भी सम्मानित हुई' 2019 को भारत के राष्ट्रपति ने उन्हें 'पद्म विभूषण' सम्मान से अलंकृत किया।

2003 में बिलासपुर गुरु घसीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर में उन्हें मानद 'डॉक्टर ऑफ लिटरेचर' की उपाधि प्रदान की' 2017 में इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय खैरागढ़ द्वारा उन्हें दूसरी मानद 'डॉक्टर ऑफ लिटरेचर' की उपाधि प्रदान की' इसके अलावा देश-विदेश में उन्हें और कई सम्मान मिले 'उन्होंने 15 देशों में आमंत्रण पर जाकर पंडवानी की धूम मचाई'

भिलाई इस्पात संयंत्र के सामुदायिक विकास विभाग में कार्यरत रहीं थीं' 1990 के दशक में दुर्ग जिले में संचालित साक्षरता अभियान के दौरान निरक्षर तीजन नवसाक्षर बनीं थीं' वे जिले व देश प्रथम 'सेलिब्रिटी नवसाक्षर' मानी गईं।

तीजन बाई महज एक गायिका नहीं थीं, बल्कि भारतीय लोक संस्कृति की जीवंत धरोहर थीं। उनका संघर्ष यह सिखाता है कि साहस और समर्पण के सामने कोई बाधा टिक नहीं सकती। विलुप्त होती पारंपरिक लोक कला पंडवानी को उन्होंने अपनी प्रतिभा से नई जान दी। उनकी आवाज, महाभारत की अमर कथाओं की उनकी अनुपम शैली और उनकी प्रस्तुतियों में छत्तीसगढ़ की मिट्टी की खुशबू को आगे आने वाली पीढ़ियां दशकों तक महसूस करती रहेंगी।

तीजन बाई का जीवन साबित करता है कि सच्ची लगन और समर्पण किसी भी विपरीत परिस्थिति को विजय में बदल सकता है। उनका जीवन संघर्ष, उनकी कला और व्यक्तित्व आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा स्रोत बना रहेगा।

गुरु और शैली

तीजन के पहले गुरु उनके नाना बृजलाल पारधी थे, जो इकतारा बजाते हुए महाभारत की कथाएँ भक्ति-भाव से गाते थे। नाना ने उन्हें पूरी महाभारत की कथा सुनाई और याद कराई। तीजन ने इकतारे में दो तार जोड़कर उसे तंबूरा बनाया और गायन को नया आयाम दिया।

वे वेदमती शैली में बैठकर गाती थीं, परंतु बाद में कापालिक शैली में खड़े होकर अभिनयपूर्ण प्रदर्शन करने वाली पहली महिला कलाकार बनीं। उनका तानपूरा मंच पर कभी भीम की गदा, कभी अर्जुन का रथ, कभी द्रौपदी के बाल बन जाता। द्रौपदी चीरहरण, दुःशासन वध, भीष्म-अर्जुन युद्ध जैसे प्रसंगों को वे अपने अद्भुत अभिनय, भाव-भंगिमा और संवाद से दर्शकों के समक्ष जीवंत कर देती थीं। उनकी कला में लिंग-समानता और सामाजिक मुद्दों की झलक भी स्पष्ट दिखती थी।

सब कुछ होने के बाद भी नहीं मिला मौका!

रवि किशन ने याद किए संघर्ष के दिन

एक्टर और नेता रवि किशन आज जिस मुकाम पर हैं, वहां तक पहुंचने के लिए उन्होंने लंबा और मुश्किल सफर तय किया है। हाल ही में उन्होंने अपने पुराने दिनों को याद करते हुए बताया कि 90 के दशक में जब बाकी लोग स्टार बन रहे थे, तब उन्हें लगातार रिजेक्शन का सामना करना पड़ रहा था।

रवि किशन इन दिनों रियलिटी शो 'अलायंस' में नजर आ रहे हैं, जिसमें वह अपनी बेटी रिव्वा किशन के साथ शामिल हुए हैं। इस शो को कुणाल खेमू होस्ट कर रहे हैं और यह हाल ही में प्राइम वीडियो पर रिलीज हुआ है। शो के पहले एपिसोड में रवि किशन ने अपने संघर्ष की कहानी शेयर की। उन्होंने बताया कि वह पूरी तरह से तैयार थे, फिर भी उन्हें काम नहीं मिल रहा था। रवि किशन ने कहा, 'पहले लोग मुझे रिजेक्ट कर देते थे। 90 के दशक में मैं देख रहा था कि लोग स्टार बनते जा रहे हैं। मेरी आवाज अच्छी थी, मैं पूरी तरह ट्रेंड था- घुड़सवारी, फाइट, उर्दू, हिंदी, थिएटर, डांस... सब कुछ आता था। लेकिन इसके बावजूद मैं पीछे रह गया और बाकी लोग आगे निकल गए।'

सोचा था मेरा समय भी आएगा

रवि किशन ने आगे कहा, 'मुझे लगता था कि जब उनका समय आया है, तो मेरा भी आएगा। लेकिन ये नहीं पता था कि मेरा समय 34 साल बाद आएगा।' हालांकि उन्होंने उम्मीद कभी नहीं छोड़ी और मेहनत करते रहे। रवि किशन ने बताया कि जब उनका समय आया, तो उन्होंने बड़ी सफलता हासिल की।

समय के साथ बदल रही हैं टीवी की कहानियां, अब मनोरंजन के साथ समाज को जागरूक करना भी जरूरी

टीवी अभिनेत्री ईशा सिंह इन दिनों अपने नए सीरियल 'जूही मुई' को लेकर चर्चा में हैं। इस सीरियल में वह एक ऐसी लड़की का किरदार निभा रही हैं, जो ऑटिज्म से जुड़ी चुनौतियों के बीच अपने सपनों को पूरा करने की कोशिश करती है। इसी बीच ईशा सिंह ने टेलीविजन की बदलती कहानियों, दर्शकों की नई पसंद और समाज से जुड़े विषयों पर अपनी राय पेश की।

उन्होंने कहा कि आज के समय में केवल मनोरंजन करना ही काफी नहीं है, बल्कि शो के जरिए लोगों को जागरूक करना भी उतना ही जरूरी हो गया है। आईएएनएस से बात करते हुए ईशा सिंह ने कहा, ''समय के साथ टीवी की दुनिया तेजी से बदल रही है। पहले जहां सीरियल्स में केवल पारिवारिक रिश्तों और मनोरंजन पर ज्यादा ध्यान दिया जाता था, वहीं अब ऐसे विषयों को भी जगह मिल रही है जो समाज के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं। आज के दर्शक पहले से ज्यादा जागरूक हैं और वे ऐसी कहानियां देखना पसंद करते हैं, जिनसे उन्हें कुछ नया सीखने को मिले। यही वजह है कि निर्माता और लेखक भी अब ऐसे विषय चुन रहे हैं जो लोगों को सोचने पर मजबूर करें और समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का काम करें।''

उन्होंने कहा, ''आज की युवा पीढ़ी टेलीविजन की कहानियों को नई दिशा देने में बड़ी भूमिका निभा रही है। अब वही शो ज्यादा पसंद किए जाते हैं, जिनमें मनोरंजन के साथ मैसेज भी हो। आखिरकार टीवी पर वही दिखाया जाता है जिसे दर्शक देखना चाहते हैं। अगर लोगों की पसंद बदलती है तो कार्यक्रमों की कहानियां भी बदलना स्वाभाविक है, इसलिए आज ऐसे विषयों पर काम किया जा रहा है जो समाज के अलग-अलग वर्गों से जुड़े हों और लोगों के बीच जागरूकता बढ़ा सकें।'' ईशा ने कहा, ''टीवी केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं है, बल्कि यह समाज को सही दिशा दिखाने का एक जरिया भी है। अगर किसी शो के जरिए लोगों को किसी सामाजिक विषय के बारे में जानकारी मिलती है, तो उसका असर लाखों परिवारों तक पहुंच सकता है। ऐसे शोज लोगों की सोच बदलने और संवेदनशील विषयों को समझने में मदद करते हैं। इसलिए कलाकारों और कार्यक्रम बनाने वालों की जिम्मेदारी पहले से कहीं ज्यादा बढ़ गई है।''

यशराज-पोशम पा पिक्चर्स की 'मुपापा' का हिस्सा बने आयुष्मान

आयुष्मान खुराना ने अपने करियर में कई लीक से हटकर फिल्में की हैं। वह ऐसी ही एक फिल्म 'मोपापा' का हिस्सा बनने वाले हैं, इससे बॉलीवुड के दो बड़े प्रोडक्शन हाउस मिलकर बनाएंगे। जानिए, कब रिलीज होगी आयुष्मान खुराना की यह फिल्म? फिल्म 'मुपापा' को यश राज फिल्म्स और पोशम पा पिक्चर्स मिलकर बना रहे हैं, यह इन दोनों प्रोडक्शन हाउस का पहला कोलेबोरेशन है। यह मिलकर 'मोपापा' नाम की फिल्म बना रहे हैं। इसमें आयुष्मान खुराना लीड रोल में है। मेकर्स के मुताबिक 'मोपापा' काफी अलग जॉनर की फिल्म है। इसे समीर सक्सेना निर्देशित करेंगे। वह अब तक 'ट्रिपलिंग', 'ये मेरी फैमिली' और 'परमानेंट रूममेट्स' जैसी सीरीज बना चुके हैं। साथ ही जितेंद्र कुमार स्टारर फिल्म 'जादूगर' का निर्देशन भी वह कर चुके हैं।

कंगना रनौत ने पूरी की अगली फिल्म 'क्वीन 2' की शूटिंग

कंगना रनौत अपनी हाल ही में रिलीज हुई फिल्म 'भारत भाग्य विधाता' को लेकर चर्चा में हैं। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बहुत अच्छा नहीं कर सकी। इस बीच उनकी अपकमिंग फिल्म 'क्वीन 2' को लेकर नई अपडेट आई है। खबर है कि कंगना ने अपनी मशहूर फिल्म 'क्वीन' के बहुप्रतीक्षित सीक्वल 'क्वीन 2' की शूटिंग पूरी कर ली है। एक्टर-फिल्ममेकर ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर यह जानकारी दी। उन्होंने कास्ट और क्रू के साथ शूटिंग खत्म होने का जश्न मनाते हुए एक फोटो शेयर की। फोटो में रनौत को फिल्म की टीम के साथ देखा गया। शूटिंग पूरी होने के साथ ही, यह प्रोजेक्ट अब पोस्ट-प्रोडक्शन स्टेज में है।

कब रिलीज हुई 'क्वीन'?

मेकर्स ने अभी तक इस फिल्म की आधिकारिक रिलीज डेट का एलान नहीं किया है। 'क्वीन 2' में कंगना रनौत के मशहूर किरदार 'रानी' की वापसी हो रही है। दर्शकों ने फिल्म 'क्वीन' को काफी प्यार दिया था। 2014 में रिलीज हुई ओरिजिनल 'क्वीन' का निर्देशन विकास बहल ने किया था और इसे समीक्षकों से खूब तारीफ मिली थी।

क्या है फिल्म की कहानी

फिल्म में कंगना रनौत ने रानी मेहरा का किरदार निभाया था। रानी दिल्ली की एक ऐसी लड़की थी, जिसे हमेशा घर की चारदीवारी में रखा गया था। जब उसका मंगेतर (राजकुमार राव) शादी तोड़ देता है, तो वह अकेले ही हनीमून पर निकल पड़ती है। यूरोप की अपनी यात्रा के दौरान, रानी का आत्मविश्वास बढ़ता है, वह आजादी को अपनाती है और खुद को नए सिरे से खोजती है।

अपनी क्षमताओं को लेकर इनसिक्योर हैं अभिषेक बच्चन

अभिषेक बच्चन ने हाल ही में फिल्म इंडस्ट्री में 26 साल पूरे किए हैं। उनकी पहली फिल्म 'रिफ्यूजी' 2000 में रिलीज हुई थी और इसी फिल्म से करीना कपूर ने भी एक्टिंग की दुनिया में कदम रखा था। हाल ही में एक बातचीत में अभिषेक ने अपने सफर को याद किया और बताया कि कैसे इतने साल में एक एक्टर के तौर पर उनका आत्मविश्वास बढ़ा है।

अब कैमरे के सामने मैं कम्फर्टेबल हूं

अभिषेक ने एक एक्टर के तौर पर खुद में आए सबसे बड़े बदलाव के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि बस एक ही बदलाव आया है कि अब मैं ज्यादा कम्फर्टेबल महसूस करता हूं। मुझे लगता है कि जब मैंने शुरुआत की थी, तो थोड़ी असहजता थी। लेकिन अब कैमरे के सामने मैं ज्यादा कम्फर्टेबल रहता हूं। जब आप जैसे हैं वैसे ही रहते हैं और खुद में सहज महसूस करते हैं, तो आपको उन फैसलों के बारे में स्पष्टता मिलती है जो आपको लेने होते हैं। आज मैं बहुत स्पष्ट हूं या यूं कहूं कि पिछले पांच से सात साल से कि किसी खास समय पर मुझे क्या नहीं करना है। करियर की शुरुआत में बहुत उत्साह होता है और काम मिलेगा या नहीं, इसे लेकर असुरक्षा भी होती है। इसलिए जो भी काम मिलता है, आप उसे कर लेते हैं।

किसी दूसरे एक्टर से कभी नहीं हुआ इनसिक्योर

अभिषेक ने उन इनसिक्योरिटीज के बारे में भी बात की जिनका सामना अवसर एक्टर्स को करना पड़ता है। उन्होंने बताया कि उन्हें अपने साथियों की सफलता को लेकर कभी असुरक्षा महसूस क्यों नहीं हुई। उन्होंने कहा कि मैं क्लियर होता हूं कि मुझे यह नहीं करना है। इसका मतलब है कि मैं निश्चित रूप से यह करना चाहता हूं। इसलिए इसमें बहुत ज्यादा पक्का इरादा होता है और यह एक तरह की परिपक्वता और शांति से आता है। मुझे लगता है कि इससे आपके काम में भी मदद मिलती है। अब हम हर जगह नहीं भटकते। मैं कभी भी इस बात को लेकर इनसिक्योर एक्टर नहीं रहा कि 'वह क्या कर रहा है'। अपनी क्षमताओं को लेकर इनसिक्योर, हां। मुझे लगता है कि सभी एक्टर इस बात को लेकर इनसिक्योर होते हैं कि 'क्या मैं यह कर पाऊंगा?'

शाहरुख के साथ 'किंग' में नजर आएंगे अभिषेक

अपने 26 साल के करियर में अभिषेक ने कई यादगार फिल्में दी हैं, जिनमें 'गुरु', 'ब्लफमास्टर!', 'बंटी और बबली', 'धूम' फ्रैंचाइजी, 'युवा' और अन्य शामिल हैं। इन दिनों अभिषेक शाहरुख खान की आगामी फिल्म 'किंग' की शूटिंग में व्यस्त हैं। इस मच अवेटेड फिल्म में अभिषेक विलेन के रोल में नजर आएंगे। इस फिल्म में एक बड़ी स्टारकास्ट नजर आएगी, जिसमें शाहरुख और अभिषेक के अलावा सुहाना खान, दीपिका पादुकोण, अनिल कपूर, जैकी श्रॉफ, अरशद वारसी, राघव जुयाल, जयदीप अहलावत, अक्षय ओबेरॉय और रानी मुखर्जी सरीखे कई नाम शामिल हैं।

मेरे लिए 'शेखर टुनाइट' एक तरह से इंकलाब है

शेखर सुमन इस वक्त अपने शो 'शेखर टुनाइट' को लेकर सुर्खियों में हैं, जो गर्दा उड़ा रहा है और काफी पसंद किया जा रहा है। इसमें वह राजनीतिक और सामाजिक मुद्दों पर बेबाकी से बोलते हैं। शेखर ने इंटरव्यू में निडरता, सरकार से सवाल पूछने, आज की कॉमेडी और स्टैंडअप कॉमेडियंस पर बात की।

आज जब सिस्टम या सरकार के खिलाफ बोलना आसान नहीं रहा, क्या शेखर को डर नहीं लगता? इस पर वह कहते हैं, 'हां, आज लोगों में बहुत डर हो गया है, पर आपको डरना क्यों चाहिए? आप कोई गुनाह थोड़ी कर रहे है? किसी को गाली थोड़ी दे रहे हैं। मैं हमेशा कहता हूं कि आपकी भाषा सभ्य होनी चाहिए। आप प्रधानमंत्री से चाहे जितने तीखे सवाल करें, मगर उनके पद की गरिमा बहुत जरूरी है। हम जब मोदी जी के बारे में बोलते हैं तो उनकी गरिमा का पूरा ध्यान रखते हैं, पर जहां वो गलत हैं, वहा उंगली भी दिखाएंगे क्योंकि हमने उन्हें चुना है। अब जो शीर्ष पर है, उनकी जिम्मेदारी बन जाती है। हमें लोगों से भी जबरदस्त प्रतिक्रिया भी मिली है।'

टीवी चैनल्स में ऐसा शो करने का दम नहीं

इस शो को लाने की चुनौतियों और 'मूवर्स ऐंड शेखर्स' के 14 साल के लंबे अंतराल के सवाल पर वह बताते हैं, 'हर चीज का एक वक्त होता है। जब समय आता है तो चीजें अपने आप हो जाती हैं। मैं बहुत चीजों में व्यस्त था। मैंने एक फिल्म अकेडमी खोली है। मेरे नाटक 'साहिर अमृता' के 125 शो किए। मेरी इस साल 4 फिल्में/सीरीज आ रही हैं। उनकी शूटिंग थीं तो यह शो आगे-पीछे हो रहा था, पर हमारे सुपुत्र अध्ययन ने कहा लोगों का बहुत प्रेशर है और अब इसे करना ही है। तब मैंने कहा कि पहले तो इसकी परिभाषा बदली जाए कि यह कॉमेडी शो नहीं है।'

मेरे लिए 'शेखर टुनाइट' यह शो से परे है

'मेरे लिए यह एक तरह से इंकलाब है। यह एक लम्हा है जो मैं अपनी ऑडियंस के साथ गुजारता हूं। उनके साथ देश की सामाजिक-राजनीतिक बातें करता हूं। मेरे लिए यह शो से परे है। चुनौती ये थी कि इसे लाया किस प्लेटफॉर्म पर जाए क्योंकि किसी चैनल में इतना दम नहीं है कि ऐसा शो कर सके। वहां सब कायर बैठे हैं। उनका ज्ञान जीरो है। ओटीटी में भी अब वही चलन आ रहा है कि यह मत कहिए, वो मत कहिए तो मैं ऐसे बेवकूफों के आधीन काम नहीं कर सकता। इसलिए हमने यूट्यूब को चुना, जहां पूरी आजादी के साथ बोल सकें।'

हिंदुस्तान में हास्य छिछोरा हो चुका है

वहीं, मौजूदा टीवी और स्टैंडअप कॉमेडी को लेकर उनका कहना है, 'मैंने खुद को और अपने शो को हास्य से बहुत दूर रखा है। मैं पहले जब कॉमेडी शो जज भी करता था तो लोग कहते थे कि आप हंसते क्यों नहीं? मैंने कहा कि आप बेवकूफी कर रहे हैं तो मुझे हंसी नहीं आ रही है। मैं हास्य से बहुत दूर हूं क्योंकि हिंदुस्तान में हास्य बहुत ही छिछोरा हो चुका है। वह अब बस लड़का लड़की बनकर, एक्टरों की नकल करके होता है। हास्य की गरिमा ही खत्म हो गई।

अध्ययन अब पीछे मुड़कर नहीं देखेगा

शेखर के शो के क्रिएटर और डायरेक्टर उनके बेटे अध्ययन सुमन हैं, जिनके लिए कभी शेखर ने फिल्म 'हार्टलेस' डायरेक्ट और प्रड्यूस की थी। बकौल शेखर, 'एक पिता के तौर पर यह बहुत गर्व और खुशी की बात है। मेरे लिए यह बहुत ही खूबसूरत साझेदारी है। जिस तरह उसने मुझे शो के प्रोमो में पेश किया वो बहुत ही क्लासी था।'

अध्ययन 19 की उम्र में स्टार बन जाता तो भटक जाता

'वह 19 साल की उम्र में बहुत बड़ा सितारा बन जाता तो शायद भटक जाता। तब उनमें वह मैच्योरिटी नहीं थी लेकिन तकलीफ, निराशा, असफलता आपकी जिंदगी को और पुख्ता बनाता है, तो अब वो जो इंसान बना है, उसकी समझ इतनी खूबसूरत हो गई कि वो जो काम करता है, वो बहुत कमाल करता है। यहां से वो पीछे मुड़कर नहीं देखेगा। उसे रोकने के लिए दुनिया में प्रलय होना जरूरी है, तो हम सबके लिए यह बड़ी खुशी की बात है। पहले मैं कभी फिक्रमंद होता था कि वह नहीं कर पा रहा। मैंने फिल्म भी बनाई तो मेरी पत्नी ने अभी बड़े प्यार से मेरा गाल सहलाया और कहा कि देखो, मेरे बेटे ने तुम्हारा सारा कर्ज उतार दिया।'

'सुपर अल नीनो' की चुनौती : धमतरी में कृषक मित्रों को मिला अल्प वर्षा से निपटने का गुरुमंत्र

वैज्ञानिक खेती, सीधी बुवाई और फसल बीमा से सुरक्षित होगी किसानों की उपज, गांव-गांव फैलेगा जागरूकता का संदेश

नई दृष्टिबिंदु / धमतरी

जलवायु परिवर्तन और 'सुपर अल नीनो' के कारण संभावित अल्प एवं अनियमित वर्षा की चुनौती से निपटने के लिए धमतरी के कृषि विभाग में शुक्रवार को एक महत्वपूर्ण जिला स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। एक्सटेंशन रिफॉर्म्स 'आत्मा' योजना के तहत आयोजित इस विशेष सत्र में जिलेभर के कृषक मित्रों को आधुनिक तकनीकों, वैज्ञानिक खेती और फसल बीमा के प्रति जागरूक किया गया, ताकि वे इस ज्ञान को गांव-गांव तक पहुंचा सकें।

विपरीत मौसम में भी बेहतर प्रबंधन, विशेषज्ञों की सलाह : प्रशिक्षण में कृषि वैज्ञानिकों और विभागीय अधिकारियों ने कम वर्षा की स्थिति में फसलों को बचाने के लिए कई महत्वपूर्ण रणनीतियों पर विस्तार से प्रकाश डाला। कृषक मित्रों को प्रेरित किया गया कि वे अपने क्षेत्रों में जाकर किसानों को समय रहते जागरूक करें। वैज्ञानिकों ने विपरीत मौसम की परिस्थितियों से निपटने के लिए पारंपरिक फसलों के स्थान पर कम अवधि में तैयार होने वाली धान की किस्मों, दलहनी (दालें) और तिलहनी फसलों को प्राथमिकता देने की सलाह दी। पानी की बचत के लिए वैज्ञानिक तरीके से 'डायरेक्ट सीडेड राइस' (धान की सीधी बुवाई) तकनीक अपनाने पर जोर दिया गया।

इसी तरह खेतों में उपलब्ध पानी का सही उपयोग, संतुलित पोषण प्रबंधन और मिट्टी की नमी को लंबे समय तक बनाए रखने के व्यावहारिक उपाय बताए गए। प्रशिक्षण कार्यक्रम में अनुविभागीय कृषि अधिकारी, कृषि विज्ञान केंद्र के कृषि अभियांत्रिकी विशेषज्ञ, आत्मा के डिप्टी प्रोजेक्ट डायरेक्टर, वरिष्ठ कृषि वैज्ञानिक सहित आत्मा योजना के जिला व विकासखंड स्तरीय अधिकारी-कर्मचारी और कृषक मित्र उपस्थित थे।

फसल बीमा बनेगा किसानों का सुरक्षा कवच : प्राकृतिक आपदाओं और सूखे के जोखिम से किसानों को आर्थिक सुरक्षा देने के लिए 'प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना' पर विशेष सत्र आयोजित किया गया। योजना के जिला प्रबंधक ने धान, उड़द, मूंग, कोदो, कुटकी और रागी जैसी अधिसूचित फसलों की बीमा प्रक्रिया, पात्रता और अंतिम तिथि की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कृषक मित्रों से अपील की कि वे अंतिम तिथि से पहले अधिक से अधिक किसानों का फसल बीमा सुनिश्चित कराएं ताकि किसी भी नुकसान की भरपाई हो सके।

उत्पादन और आय बढ़ाना मुख्य लक्ष्य : कार्यक्रम के समापन पर अधिकारियों ने कृषक मित्रों का आह्वान किया कि वे इस प्रशिक्षण में सीखी गई आधुनिक कृषि तकनीकों और शासकीय योजनाओं की जानकारी को ग्रामीण स्तर पर प्रभावी ढंग से प्रसारित करें। जब किसान वैज्ञानिक सलाह के अनुरूप खेती करेंगे, तभी विपरीत मौसम में भी जिले का कृषि उत्पादन और किसानों की आय सुरक्षित रह सकेगी।

खास खबर

प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना से रोशन हुआ कामती साहू का घर

सौर ऊर्जा से बिजली बिल हुआ शून्य, हर माह हो रही हजार रूपए की बचत

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

छुरिया विकासखंड के दूरस्थ वनांचल ग्राम मोरकुटूम्ब की निवासी मितानीन प्रशिक्षक कामती बाई साहू के घर में अब सूरज की रोशनी केवल उजाला ही नहीं करती, बल्कि आर्थिक समृद्धि का भी माध्यम बन गई है। प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के तहत उनके घर की छत पर स्थापित 3 किलोवॉट क्षमता के सोलर रूफटॉप प्लांट ने उनके परिवार की मासिक बिजली लागत लगभग समाप्त कर दी है।

कामती साहू ने बताया कि वे मितानीन प्रशिक्षक के रूप में कार्य करती हैं तथा उनके पति का किराने की दुकान है। पहले हर माह बिजली बिल एक हजार रूपए से अधिक आता था, जिससे घरेलू खर्च पर अतिरिक्त बोझ पड़ता था। योजना के बारे में जानकारी मिलने पर उन्होंने प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत आवेदन किया और घर की छत पर 3 किलोवॉट क्षमता का सोलर पैनल स्थापित कराया। सोलर पैनल लगने के बाद इस माह उनका बिजली बिल शून्य आया, जिससे लगभग एक हजार रूपए की बचत हुई। उन्होंने बताया कि सोलर पैनल की स्थापना के लिए उन्हें केंद्र सरकार से 78 हजार रूपए तथा राज्य सरकार से 30 हजार रूपए की सब्सिडी प्राप्त हुई। कुल 1 लाख 8 हजार रूपए की सहायता मिलने से बिना आर्थिक कठिनाई के सोलर प्लांट लगाना संभव हो सका। अब उनका परिवार अपनी आवश्यकता की बिजली स्वयं तैयार कर रहा है तथा अतिरिक्त बिजली ग्रिड में भेजकर उसका भी लाभ प्राप्त कर रहा है।

कामती साहू ने कहा कि प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना केवल आर्थिक बचत ही नहीं, बल्कि पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण पहल है। सौर ऊर्जा के उपयोग से पारंपारिक ऊर्जा स्त्रोतों पर निर्भरता कम होती है, जिससे प्रदूषण में कमी आती है और प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण होता है। उन्होंने कहा कि अधिक से अधिक लोगों को इस योजना का लाभ उठाना चाहिए, ताकि हर घर, हर गांव और हर मोहल्ला स्वच्छ एवं हरित ऊर्जा से जुड़ सके। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह योजना ग्रामीण और वनांचल क्षेत्रों के परिवारों के लिए लाभकारी साबित हो रही है। इससे आर्थिक बचत, ऊर्जा आत्मनिर्भरता और पर्यावरण संरक्षणकृतीनों उद्देश्यों की एक साथ पूर्ति हो रही है।

बेमेतरा में अब तक 93.6 मिमी. औसत वर्षा दर्ज

बेमेतरा। चालू बारिश सीजन के दौरान बेमेतरा जिले में 01 जून 2026 से 05 जुलाई 2026 प्रतिवेदित दिनांक तक की स्थिति में सवेरे 8.00 बजे तक जिले में 93.6 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज की गई है। जिले में अब तक सर्वाधिक वर्षा तहसील दाढ़ी में 127.2 मि.मी. तथा न्यूनतम 60.7 मि.मी. वर्षा नंदघाट तहसील में दर्ज की गई है। संयुक्त जिला कार्यालय के भू-अभिलेख शाखा से प्राप्त जानकारी के अनुसार बेमेतरा तहसील मे 63 मि.मी. वर्षा, देवकर तहसील में 125 मि.मी. वर्षा, बेरला तहसील में 102.4 मि.मी. व भिंभौरी तहसील में 87.5 मि.मी., साजा तहसील में 97 मि.मी.वर्षा, थानखम्हरिया तहसील मे 112 मि.मी. वर्षा एवं नवागढ़ तहसील में 68 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज की गई है।

समाज में डॉक्टर और चार्टर्ड अकाउंटेंट दोनों की भूमिका महत्वपूर्ण- राज्यपाल रमेन डेका

डॉक्टर और चार्टर्ड अकाउंटेंट दोनों ही समाज के विकास और प्रगति के महत्वपूर्ण आधार हैं

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

राज्यपाल रमेन डेका ने महाराष्ट्र मंडल, रायपुर द्वारा आयोजित सम्मान समारोह में समाज के युवा डॉक्टरों एवं चार्टर्ड अकाउंटेंट्स को सम्मानित किया। इस अवसर पर उन्होंने लोक भवन की ओर से महाराष्ट्र मंडल को प्रदत्त एंबुलेंस का लोकार्पण भी किया।

अपने संबोधन में राज्यपाल ने कहा कि डॉक्टर और चार्टर्ड अकाउंटेंट दोनों ही समाज के विकास और प्रगति के महत्वपूर्ण आधार हैं। डॉक्टर मानव जीवन की रक्षा और स्वास्थ्य सेवा से जुड़े होते हैं, जबकि चार्टर्ड अकाउंटेंट उद्योग, व्यापार और व्यवसाय को सही दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

उन्होंने कहा कि चिकित्सा एक नोबल व्यवसाय है, जो केवल आजीविका का माध्यम नहीं, बल्कि मानवता की सेवा का सर्वोच्च दायित्व है। मरीज डॉक्टर को भगवान का स्वरूप मानता है, इसलिए चिकित्सकों की जिम्मेदारी अत्यंत गंभीर है। कठिन परिश्रम और अपने अभिभावकों के सहयोग से डॉक्टर बनने वाले युवाओं को सेवा भावना के साथ कार्य करना चाहिए। उन्होंने कहा कि डॉक्टर की जिम्मेदारी केवल अस्पताल तक सीमित नहीं होती, बल्कि वह 24 घंटे समाज की सेवा के लिए तत्पर रहता है।

राज्यपाल ने चिकित्सकों से कहा कि आधुनिक जांच रिपोर्टों के आधार पर उपचार आवश्यक है, लेकिन मरीज का प्रत्यक्ष परीक्षण और उससे आत्मीय संवाद भी उतना ही महत्वपूर्ण है। इससे मरीज को मानसिक संतोष मिलता है और चिकित्सक के प्रति उसका विश्वास मजबूत होता है। उन्होंने विशेष रूप से बुजुर्ग मरीजों के प्रति संवेदनशील, सहानुभूतिपूर्ण और मानवीय व्यवहार अपनाने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि चिकित्सा विज्ञान में आज जो अभूतपूर्व प्रगति हुई है, उसका श्रेय मानव की बुद्धिमत्ता, अनुसंधान और निरंतर नवाचार को जाता है।

चार्टर्ड अकाउंटेंट्स की भूमिका पर राज्यपाल ने कहा कि आज उनके कार्य का दायरा काफी व्यापक हो गया है। वे केवल लेखा-जोखा तक सीमित नहीं हैं, बल्कि व्यवसायियों के मार्गदर्शक और मेंटर की भूमिका भी निभाते हैं। व्यवसाय का विस्तार कैसे किया जाए, स्टार्टअप कैसे स्थापित किया जाए तथा शासन की विभिन्न योजनाओं का अधिकतम लाभ कैसे प्राप्त किया जाए, इसमें चार्टर्ड अकाउंटेंट महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान करते हैं।

उन्होंने कहा कि आज अनेक युवा पारिवारिक व्यवसाय को अपेक्षित महत्व नहीं देते और उसमें संभावनाएं कम देखते हैं, जबकि सही सोच, नवाचार और उचित मार्गदर्शन से पारिवारिक व्यवसाय को भी नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया जा सकता है। उन्होंने डॉक्टरों और चार्टर्ड अकाउंटेंट्स से अपने-अपने दायित्वों का ईमानदारी, संवेदनशीलता और समर्पण के साथ निर्वहन करने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में महाराष्ट्र मंडल के अध्यक्ष अजय मधुकर काले ने स्वागत भाषण दिया। इस अवसर पर महाराष्ट्र मंडल के पदाधिकारी, वरिष्ठजन, महिलाएं, युवा तथा बड़ी संख्या में समाज के सदस्य उपस्थित थे।

सौर ऊर्जा से रोशन हुआ विद्यासागर का घर : पीएम सूर्यघर योजना से मिली 'मुफ्त बिजली'

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना जिले में स्वच्छ एवं हरित ऊर्जा को बढ़ावा देने के साथ-साथ आम नागरिकों के बिजली खर्च को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। जिले के ग्राम मोखला निवासी विद्यासागर साहू ने इस योजना का लाभ लेकर अपने घर की छत पर सोलर रूफटॉप सिस्टम स्थापित किया है। इससे वे स्वच्छ ऊर्जा का उपयोग कर रहे हैं तथा भविष्य में बिजली खर्च में बचत का लाभ प्राप्त करेंगे।

विद्यासागर साहू ने बताया कि उन्होंने प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत आवेदन कर अपने घर में सोलर रूफटॉप सिस्टम स्थापित कराया। योजना का बैंकिंग प्रक्रिया छत्तीसगढ़ ग्रामीण बैंक भर्रेगांव शाखा से पूरी हुई। योजना के तहत उन्हें केंद्र सरकार से 78 हजार रूपए तथा राज्य शासन से 30 हजार रूपए की सब्सिडी स्वीकृत हुई है। सब्सिडी दावा की प्रक्रिया भी पूर्ण हो चुकी है तथा शीघ्र ही राशि उनके बैंक खाते में प्राप्त हो जाएगी।

विद्यासागर साहू ने बताया कि सोलर रूफटॉप सिस्टम का स्थापना कार्य सफलतापूर्वक पूर्ण हो चुका है और वतर्मान में संयंत्र सुचारू रूप से कार्य कर रहा है। मोर बिजली मोबाइल ऐप के माध्यम से प्रतिदिन सोलर पैनल द्वारा उत्पादित बिजली एवं बिजली की खपत की जानकारी आसानी से देख रहे हैं। इससे ऊर्जा उत्पादन की निगरानी सरल, पारदर्शी और सुविधाजनक हो गई है। विद्यासागर ने कहा कि प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना आम नागरिकों के लिए अत्यंत लाभकारी है। यह योजना न केवल बिजली खर्च कम करने में सहायक है, बल्कि स्वच्छ एवं हरित ऊर्जा को बढ़ावा देकर पर्यावरण संरक्षण में भी महत्वपूर्ण योगदान दे रही है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा दी जा रही सब्सिडी से सोलर रूफटॉप लगवाना पहले की अपेक्षा अधिक सुलभ हो गया है।

उन्होंने जिले के सभी नागरिकों से प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना का अधिक से अधिक लाभ लेने की अपील करते हुए कहा कि प्रत्येक परिवार को स्वच्छ ऊर्जा अपनाने की दिशा में आगे आना चाहिए। इससे बिजली पर होने वाले खर्च में कमी आएगी, ऊर्जा की बचत होगी तथा पर्यावरण संरक्षण में भी सभी की सहभागिता सुनिश्चित होगी। विद्यासागर साहू ने प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के लिए केन्द्र एवं राज्य शासन के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह योजना आत्मनिर्भर भारत, ऊर्जा संरक्षण और स्वच्छ पर्यावरण के निर्माण की दिशा में एक दूरदर्शी एवं जनहितकारी पहल है। इससे नागरिकों को आर्थिक राहत मिलने के साथ-साथ हरित ऊर्जा को भी बढ़ावा मिल रहा है।

कलेक्टर प्रजापति ने किया तहसील कार्यालय का निरीक्षण, निर्माण कार्यों का किया अवलोकन

नई दृष्टिबिंदु / मोहला

राजस्व प्रकरणों का करें समयबद्ध निराकरण : कलेक्टर

कलेक्टर तुलिका प्रजापति ने आज सुबह मोहला तहसील कार्यालय का औचक निरीक्षण कर राजस्व प्रकरणों, अभिलेखों के संधारण, कार्यालय व्यवस्था एवं आम नागरिकों को प्रदान की जा रही सेवाओं की विस्तृत समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कार्यालय में दर्ज विभिन्न राजस्व प्रकरणों की जानकारी रीडर से प्राप्त की तथा मौजूद तहसीलदार व नायब तहसीलदार को सभी लंबित प्रकरणों का समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने कहा कि राजस्व प्रकरणों में अनावश्यक रूप से अधिक पेशी न लगाई जाएं तथा कम से कम पेशी में प्रकरणों का निराकरण किया जाए, जिससे आम नागरिकों और किसानों को बार-बार कार्यालय के चक्कर न लगाने पड़ें। उन्होंने विशेष रूप से लंबित नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन एवं अन्य राजस्व मामलों के समय सीमा में निपटारे के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने ई-ऑफिस के कार्यो,बंदोबस्त त्रुटि से संबंधित प्रकरणों की भी समीक्षा की और निर्देशित किया कि ऐसे मामलों का दो से तीन पेशियों के भीतर निराकरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि सीमांकन, बंटांकन एवं अन्य राजस्व प्रकरणों का उचित दस्तावेजों के आधार पर निर्धारित समय-सीमा के भीतर निष्पादन प्राथमिकता के आधार पर किया जाए।

निर्माण कार्यों की प्रगति का लिया जायजा, आबंटित भूमि का भी किया स्थल निरीक्षण

निर्माण कार्यों की प्रगति का लिया जायजा, आबंटित भूमि का भी किया स्थल निरीक्षण : कलेक्टर तुलिका प्रजापति ने निरीक्षण के दौरान निर्माणाधीन नवीन कलेक्ट्रेट भवन का स्थल निरीक्षण कर निर्माण कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। साथ ही उन्होंने मोहला से मानपुर तक सड़क निर्माण कार्यों की भी प्रगति जानी। उन्होंने सड़क निर्माण के कार्यों को गुणवत्ता, निर्धारित समय-सीमा तथा गति बनाए रखने के निर्देश दिए। इस दौरान कलेक्टर ने विभिन्न विभागों के निर्माणाधीन भवनों का भी निरीक्षण किया तथा विभागों को आबंटित भूमि का स्थल पर जाकर अवलोकन किया।

कलेक्टर प्रजापति ने तहसील कार्यालय के कानूनगो शाखा एवं रिकॉर्ड रूम का निरीक्षण कर अभिलेखों के रख-रखाव और संधारण का अवलोकन किया। उन्होंने नक्शा-खसरा सहित अन्य महत्वपूर्ण अभिलेखों को सुव्यवस्थित एवं अद्यतन रखने के निर्देश दिए। साथ ही विभिन्न प्रकरणों की स्वयं जांच कर अधिकारियों एवं कमर्चारियों को आवश्यक मार्गदर्शन भी प्रदान किया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने मोहला तहसील भवन में चल रहे मरम्मत कार्यों का भी जायजा लिया। उन्होंने निर्माण कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करते हुए शेष कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। इस दौरान एसडीएम मोहला हेमेंद्र भुआर्य सहित संबंधित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहें।

वैज्ञानिक प्रशिक्षण : जलवायु परिवर्तन के दौर में किसानों के लिए वरदान बनेगी ग्राफ्टेड सब्जी

केरेमुड़ा में किसानों को दी गई ग्राफ्टेड टमाटर और बैंगन की वैज्ञानिक खेती की कमान, बांटे गए 1 लाख से अधिक पौधे, लागत घटेगी और बढ़ेगी किसानों की आय

नई दृष्टिबिंदु / धमतरी

खरीफ और रबी मौसम में बदलती जलवायु की चुनौतियों के बीच किसानों की आय बढ़ाने और उन्हें कम लागत में सुरक्षित, गुणवत्तापूर्ण उत्पादन दिलाने के लिए धमतरी जिले में एक बड़ी पहल की गई है। जिले के नगरी विकासखंड के ग्राम केरेमुड़ा में ग्राफ्टेड (कलमी) टमाटर और बैंगन की वैज्ञानिक खेती पर एक दिवसीय ब्लॉक स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिला पंचायत के मार्गदर्शन में आयोजित इस विशेष प्रशिक्षण का संचालन प्रदान संस्था द्वारा किया गया।

इस प्रशिक्षण में नगरी और मगरलोड विकासखंड की कृषि सखियों, मास्टर ट्रेनर्स सहित बड़ी संख्या में स्थानीय किसानों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य किसानों को ग्राफ्टेड सब्जी उत्पादन की आधुनिक व वैज्ञानिक तकनीकों से रूबरू कराकर उन्हें जलवायु-अनुकूल, टिकाऊ और अधिक मुनाफे वाली खेती के लिए प्रेरित करना था।

अधिकारियों ने बताया कि इस आजीविका मिशन के तहत नगरी विकासखंड में किसानों को कुल 1 लाख 1 हजार 800 ग्राफ्टेड पौधों का वितरण किया गया है। इसमें 51 हजार 800 ग्राफ्टेड टमाटर और 50 हजार ग्राफ्टेड बैंगन के पौधे शामिल हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक, ग्राफ्टेड पौधे सामान्य पौधों की तुलना में बेहद मजबूत होते हैं। इनकी जड़ प्रणाली सशक्त होती है, जिससे इनमें रोग प्रतिरोधक क्षमता अधिक होती है। ये पौधे विपरीत मौसम में भी तेजी से बढ़ते हैं और बंपर पैदावार देते हैं, जिससे किसानों को बाजार में अपनी फसल की बेहतर कीमत मिलती है।

ग्राफ्टेड पौधा में बीमारियां कम और पैदावार दोगुनी होती है : ग्राफ्टिंग एक ऐसी वैज्ञानिक तकनीक है जिसमें एक पौधे के मजबूत जड़ वाले हिस्से (रूटस्टॉक) पर दूसरे अधिक उत्पादन देने वाले पौधे के ऊपरी हिस्से (सायन) को जोड़कर एक नया 'सुपर प्लांट' तैयार किया जाता है। इससे बीमारियां कम लगती हैं और पैदावार दोगुनी तक हो जाती है।

खेत पर ही दिया गया लाइव डिमांस्ट्रेशन : प्रशिक्षण की सबसे खास बात रहा खेत पर आयोजित 'लाइव फील्ड डेमॉन्स्ट्रेशन' (व्यावहारिक प्रदर्शन)। इसमें किसानों को सिर्फ किताबी ज्ञान न देकर सीधे खेत में ले जाकर भूमि की तैयारी, पौधों का उपचार, वैज्ञानिक तरीके से रोपण, मल्चिंग, नमी संरक्षण और जैविक कृषि तकनीकों का लाइव प्रदर्शन करके दिखाया गया।

इसके साथ ही कृषि विशेषज्ञों ने समेकित कीट एवं रोग प्रबंधन, मृदा स्वास्थ्य, जैव उर्वरकों का सही उपयोग और फसल कटाई के बाद के प्रबंधन की बारीकियां सिखाईं। संवाद सत्र में किसानों ने खेती के दौरान होने वाली अपनी रोजमर्रा की समस्याओं को रखा, जिसका विशेषज्ञों ने मौके पर ही वैज्ञानिक समाधान बताया।

FPO और प्रदान (PRADAN) का मिला मजबूत साथ : इस पूरी मुहिम को धरातल पर उतारने में 'गट्टासिल्ली फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी' ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, जिसके माध्यम से किसानों को उन्नत ग्राफ्टेड पौधे और जरूरी जैविक खाद-सामग्री उपलब्ध कराई गई। वहीं प्रदान संस्था द्वारा कृषि सखियों और किसानों को पूरे फसल चक्र के दौरान लगातार तकनीकी और व्यावहारिक प्रशिक्षण देकर उनका कौशल विकास किया जा रहा है।

जिला पंचायत धमतरी के मार्गदर्शन में चल रही यह त्रिकोणीय पहल नगरी और मगरलोड विकासखंड में आधुनिक, पर्यावरण-अनुकूल और टिकाऊ खेती का एक नया मॉडल पेश कर रही है। इससे न केवल ग्रामीण आजीविका मजबूत होगी, बल्कि स्थानीय स्तर पर पोषण सुरक्षा को भी एक नया आयाम मिलेगा।

7 जुलाई
संगठन गढ़ता ओजस्वी वक्ता
ऊर्जावान भाजपा जिला भिलाई अध्यक्ष
भाई पुरुषोत्तम देवांगन जी
को जन्मदिन
की बहुत-बहुत बधाई...
राजू खान
जिला कार्यसमिति सदस्य
भाजपा भिलाई

सोलह दूनी आठ
नई दृष्टिबिंदु

साप्ताहिक कॉलम

याज्ञवल्क्य मिश्रा

मैडम का अर्दली

मध्य छत्तीसगढ़ में एक माननीया हैं। उनका जलवा जलाल ग़जब का है। बताते हैं कि, मैडम ने एक अर्दली केवल इसलिए रखा है कि, सरकारी अमला चाहे पटवारी हो या कलेक्टर या कि सिपाही हो या एसपी, उन सबसे केवल वही बात करेगा। मैडम का यह अंदाजे बयां क्यों है ये तो पता नहीं है लेकिन इस अंदाजे बयां की चर्चा खूब है। बताने वाले बताते हैं मैडम के सामने अफसर पड़ भी जाएँ तो मैडम कुपित होकर ही देखती हैं, याने कि उनके अगल बग़ल नहीं उनसे पीछे ही खड़े रहो, वर्ना दुर्गति होने की आशंका गहराती है। हो सकता है कि, कुछ दुश्मनों ने लाईस का बाईस बताया हो लेकिन यह तय है कि जलवा जबर है।वैसे किसी ने फूँका है कि, मैडम की पड़ोसी विधानसभा सीट वाले से पटरी नहीं खाती और पड़ोसी के फेर में अफसरों ने पहले भाव नहीं दिया तो मैडम ने यह तेवर अपना लिया है। अर्दली जब न चाहे तब अफसरों को कोटवार के अंदाज में ले लेता है।

साध्वी जैसी नेत्री

तिहरे हत्याकांड की सीबीआई जांच हो साय सरकार ने इसके लिए पत्र लिख दिया है।जानकारों का दावा है कि, सीबीआई इसे लेकर गंभीर है और जल्द ही औपचारिक कार्यवाही कर मामले को हाथ में ले लेगी। अब इस मसले में साध्वी जैसी वह नेत्री हलाकान परेशान है, और वो क़ाबिल पुलिस वाले भी जो साध्वी जैसी माननीया के आदेश पर काला पीला लाल गुलाबी कर गए हैं। मसला सीडीआर का हो या जादुई सरेंडर का। खबरें हैं कि झाम हर जगह फँस गया है। दिक़्क़त यह भी है कि, जिन साध्वी के प्रताप प्रभाव में यह सब हुआ उनकी अब कोई सुन भी नहीं रहा है। याने जब मठ की सर्वोच्च का ही राशन पानी बंद होने के कगार पर हो तो सेवकों का क्या ही होगा। इधर यह भी अफवाह है कि बड़े साहब ने साफ समझा दिया है कि, 'सुनो जो लाल नारंगी काला गुलाबी किए हो सब ठीक कर लो, वर्ना कोई जाए मत जाए तुम सब लाल कोठी के भीतर जरुर जाओगे।' साहब की बात ठीक भी है, बहुत कुछ काग़ज सुधर भी जाएगा, लेकिन दिक़्क़त ये है कि जादुई सरेंडर का रायता तो सूरजपुर, कोरिया और एमसीबी तीनों जिले में छितराया है, अब उसे समेटने का रास्ता भी बंद है। अफलातूनी अफवाहों में यह तैर रहा है कि, रायता नहीं सिमटा तो कुछ दुर्गति को सुनिश्चित करने वाला ऑडियो वीडियो जारी हो जाएगा या किसी सही जगह पहुंच जाएगा। लेकिन अफवाहों का क्या ही कहना है, अफवाह तो कुछ भी किसी भी तरह की उड़ जाती है।

ये टेस्ट काहे लिए सर

एक बाबाजी धराए हैं और जेल की शोभा बढ़ा रहे हैं। ये वही बाबाजी हैं जो विकट हाई प्रोफाइल हैं। महँगी से मंहगी और आलिशान गाड़ियाँ इनके आश्रम में पहुँचा करती थीं। जाहिर है भगत भी जोर और पहुँच वाले हैं। जलवा यूँ समझिए कि, जैसे ही इन बाबाजी को पुलिस ने टाँगा, इनके फोन पर उन्हीं साध्वी माननीया का फोन आया जो इन दिनों सीबीआई की आहट से परेशान हैं। एक कैबिनेट मंत्री, कुछ आईपीएस आईएएस भी शुभेच्छुओं में शामिल बताए गए हैं। बहरहाल मूल किस्से पर लौटिए। चावल देख फ्यूचर देखने वाले यह श्रीमान अनाचार दुराचार में ढाँपे गए हैं। रेप के इस मामले में पुलिस ने परंपराओं के अनुसार जिला अस्पताल में पौरुष टेस्ट कराया या नहीं कराया ये तो पता नहीं लेकिन ये मुकम्मल पता है कि इन्हे एम्स ले जाकर सत्रह प्रकार का टेस्ट कराया गया है।फ्यूचर देखने वाले इस बाबाजी को यह अति विशिष्ट व्यवस्था क्यों कर लाया गया यह फिलहाल किसी को पता नही।यदि सत्रह टेस्ट से पौरुष फायनली अकाट्य होता है और वही सही होता है तो अब तक जितना टेस्ट स्केल ठोक कर होता था क्या वो गलत था बाकियों के लिए भी यह अकाट्य वाला टेस्ट होना चाहिए। वैसे अफवाहें ये भी हैं कि इस फ्यूचर देखने वाले श्रीमान के मोबाइल में कई आपत्तिजनक तस्वीरें वीडियो और संवाद मिले हैं।

सुशासन

इस सरकार में फैसले का मतलब इसी कॉलम में पिछले हफ़्ते ही सहाफी ने लिखा था। चुंकि सरकार वही होती है जो ठेंगे से बदलती नहीं तो फैसले का मतलब भी नहीं बदला है। सुशासन सरकार में फैसले का यही मतलब होता है कि कोई फैसला ही मत करो। अब इस फेर में जिला बग़ैर एसपी धका रहा है तो धकाने दो। जिला छोड़िए चलिए पीएचक्यू को देखिए। एक डिपार्टमेंट है वहां एडीजी साहब हेड थे, उनके अधिनस्थ जो थे वो वहां तब पोस्ट किए गए जब वो आईजी रैंक पर थे। अब वो आईजी साहब भी प्रमोट होकर एडीजी हो गए हैं। याने पीएचक्यू में एक डिपार्टमेंट है जहां दो एडीजी हैं।अब सवाल ये है कि कहीं और पोस्टिंग क्यों नहीं किए ये तो सरकार तुरंत फैसला कर सकती थी। सवाल ठीक है लेकिन जवाब के लिए सुशासन सरकार में फैसले का मतलब याद रखिए। सुशासन सरकार का सबसे बड़ा फैसला यही है कि कोई फैसला नहीं लिया जाएगा।

चैंबर सूना है

पीएचक्यू में ही एक चैंबर है जिसकी धमक मुकम्मल है। जी नहीं डीजीपी साहब का चैंबर नहीं है। यह वो चैंबर है जिसकी ख्याति है जिसकी पहचान वो कहावत है - 'आओ बहन चुग़ली करें।' अब हुआ ये है कि, इस चैंबर के कई स्तंभ अवकाश पर हैं। नतीजतन कोई अफवाह ही खबर के तर्ज.पर फैल नहीं रही है।

क्या सर आप भी

हालिया दिनों एक माननीय का ऑडियो किसी दुश्मन ने सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया है। इसमें दुर्गति ये हो रही है कि, माननीय अपनी ही आवाज में बता रहे हैं कि, मंत्री जी सो गए हैं मैं पीए बोल रहा हूँ। हालाँकि बीजेपी के पहलवान नुमा प्रवक्ता जी ने दावा ठोका है कि सब एआई जनरेटेड है। पहलवान जी ने पूरे दम से बताया -'आप किसी से पूछ लीजिए, माननीय तो किसी का फोन उठाते ही नहीं, संगठन और मिनिस्टर मीटिंग में भी ये मुद्दा उठा लेकिन माननीय फोन नहीं उठाते तो नहीं उठाते।' अपना भी मानना है कि सत्ता में बैठा व्यक्ति हो या सत्ता धारी दल वो कभी झूठ बोलता ही नहीं है। लेकिन एक पतंग जो हवा में उड़ रही है उसमें लिखा है -'सर आप केवल नेता होते तो गम ना था.. आप तो आईएएस वंश के दैदीप्यमान सूर्य हैं सर.. आप तो कम से कम ऐसा ना करते.. ।' बाकी अपने राम भी मानते हैं माननीय के साथ साज़िश हुई है और एआई जनरेट ऑडियो दुश्मन वायरल कर रहे हैं। वैसे एफआईआर ठोक कर मोबाइल जप्त कर फॉरेंसिक जांच करना चाहिए, तुरंत पता चल जाएगा कि आखिर माननीय भैया के साथ साज़िश कौन कर रहा है। जांच भी फौरन से पेश्तर होनी चाहिए आखिर सरकार अपनी है। रिपोर्ट भी जैसी चाहेंगे बन जाएगी।

नकटी से किस किस की नाक

नकटी का मसला आखिर किसकी नाक का सवाल था? इसे लेकर दिलचस्प जवाब तैर रहे हैं।अफवाहों में नाम बीजेपी और कांग्रेस के उन दो नेताओं का है जो आपस में समधी हैं।एक जाने किस ने उड़ा दिया है कि आईएएस साहब के खास क़रीबी की जमीन है, याने इन्वेस्टमेंट साहब का है, नाम किसी और का। कोई और कह रहा है एक मंत्रीजी के पीए और पीए के रिश्तेदारों के नाम पर जमीन है। बहरहाल इनमें से जो भी सच हो और जितना भी सच हो यह सुनिश्चित है कि जमीन का रेट बढ़ाने के फेर में किया गया उपक्रम समस्या बन गया है। अब सामने विधानसभा सत्र है। आसार हैं कि मसला थमेगा नहीं। यह बिल्कुल सही है कि, विधायकों की कॉलोनी बनेगी तो जमीन का रेट बढ़ेगा आसपास जलवा क़ायम रहेगा, लेकिन अब कांग्रेस विधायक दल की बैठक में कोई अनभनिया फैसला हो जाए तो कैसे होगा ?

रिटर्न गिफ़्ट

बिरजू भईया सियासत के धरती पकड़ और कई दाँव में सिद्ध पहलवान माने जाते हैं। नकटी में जो हुआ उसने बिरजू भईया को कुपित किया हुआ है।वजह ये है कि यह विशुद्ध धोखा था। ग्रामीण जब सांसद जी के यहां पहुंचे तो वहां प्रशासनिक अमले को भी बुलाया गया। अफवाह है कि प्रशासनिक अमले ने तब किसी 'उपर के प्रेशर' बात बता दी। इस पर सांसद जी ने भड़क कर पूछा कि 'कौन सा उपर कौन उपर?' सांसद जी का कहना ये था कि 'बरसात में बेदखली का कोई मतलब नहीं है। पहले बेहतर व्यवस्थापन देखो फिर बरसात बाद कर लेना। मैं दिल्ली जा रहा हूँ लौट कर आता हूँ तो फिर बैठेंगे।' सांसद जी को यह भरोसा दिला दिया गया कि ऐसा ही होगा। सांसद जी इधर शाम को दिल्ली उड़े और सुबह तीन से चार के बीच डिमोलिशन करने की कार्यवाही शुरु हो गई। अब बृजमोहन को जानने वाले जानते हैं कि कुछ हो न हो रिटर्न गिफ़्ट सुनिश्चित होता है।

सुपेला पुलिस का वारंट अभियान, 04 स्थायी वारंटी और 03 गिरफ्तारी वारंट तामील, 06 आरोपी गिरफ्तार

भिलाई। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में चलाए जा रहे विशेष वारंट अभियान के तहत थाना सुपेला पुलिस ने बड़ी कारर्वाई करते हुए 04 स्थायी वारंटी और 03 गिरफ्तारी वारंट तामील कर कुल 06 आरोपियों को गिरफ्तार किया। सभी के विरुद्ध लंबित वारंटों का तामील कर विधिवत गिरफ्तारी की गई। खेमराज यादव, उम्र 23 वर्ष, निवासी गौतम नगर, बरकत किराना स्टोर के पास, सुपेला - स्थायी वारंटी खेमचंद पिपरोल उर्फ हेमचंद, उम्र 37 वर्ष, निवासी न्यू कृष्णा नगर, डमरू मोहल्ला, महोबिया क्लीनिक के पास, सुपेला - गिरफ्तारी वारंट शीव खुटेल, उम्र 29 वर्ष, निवासी वार्ड 05, कृष्णा नगर, चन्द्राकर दुकान के पास, सुपेला - दो गिरफ्तारी वारंट कमलेश यादव, उम्र 43 वर्ष, निवासी पांच रास्ता, सुपेला - स्थायी वारंटी, मो. अलीम कुरैशी, उम्र 40 वर्ष, निवासी इस्लाम नगर, मस्जिद के पास, सुपेला - स्थायी वारंटी , शेबु खान उर्फ मो. सैफ, उम्र 24 वर्ष, निवासी रेशम आवास, सुपेला - स्थायी वारंटी सभी आरोपियों को नियमानुसार माननीय न्यायालय में प्रस्तुत किया गया।

"यह समाचार पत्र आलोक तिवारी द्वारा 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से आलोक तिवारी की ओर से प्रकाशित की जाती है, जिसका संपादन आलोक तिवारी द्वारा किया जाता है तथा इसका मुद्रण समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 पर किया जाता है। (समाचार चयन के लिए PRP Act, 2023 के तहत संपादक जिम्मेदार है)। समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।" संपादक आलोक तिवारी, मो. 74154-69100